▪ श्रावण शुक्ल - 8 ▪ संवत 2080 ▪ वर्ष - 11 ▪ अंक - 4 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » बुधवार » 26-07-2023 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 खाद्य पदार्थों की कीमतों, मांग-आपूर्ति पर सरकार की नजर : कृषि राज्यमंत्री

6 लाल डायरी ने मचाई राजस्थान की सियासत में हलचल !

7 कोलकाता के प्रमोशन इवेंट में बांग्ला लाइनें भूल गईं आलिया भट्ट

फर्स्ट टेक

लश्कर आतंकवादियों के दो सहयोगी गिरफ्तार

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में सुरक्षा बलों ने लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े आतंकवादियों के दो सहयोगियों को मंगलवार को गिरफ्तार किया। पुलिस प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने बताया, सुरक्षा बलों ने क्रीरी बारामूला के चक टप्पर गांव से लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े आतंकवादियों के दो सहयोगियों को गिरफ्तार किया और उनके पास से हथियार, गोला-बारूद व अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की। प्रवक्ता के मुताबिक, चक टप्पर गांव में आतंकवादी गतिविधियों के बारे में सूचना मिली थी, जिसके आधार पर यह कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार संदिग्धों की पहचान बांदीपोरा जिले के दयाम मजीद खान और उबैर तारिक के रूप में हुई है।

बीआरएस विधायक वेंकटेश्वर राव का चुनाव हुआ रद्द

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने कोठागुडेम विधानसभा क्षेत्र से सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के विधायक वनमा वेंकटेश्वर राव का चुनाव मंगलवार को रद्द कर दिया। जलगम वेंकट राव के वकील रमेश कुथुम्बका के अनुसार अदालत ने वनमा वेंकटेश्वर राव पर पांच लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। न्यायमूर्ति जी राधा रानी ने पूर्व विधायक जलगम वेंकट राव की चुनाव याचिका (ईपी) को स्वीकार करते हुए यह आदेश पारित किया। याचिका में कोठागुडेम विधानसभा सीट से विधायक के रूप में वनमा वेंकटेश्वर राव के चुनाव को चुनौती दी गई थी। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि वनमा वेंकटेश्वर राव ने अपने चुनावी हलफनामे में अपनी और अपने परिवार की कृषि भूमि के संबंध में कुछ तथ्य छिपाए थे।

ओसीएस परीक्षा के नतीजों की घोषणा पर लगी अंतरिम रोक

कटक/भाषा। उड़ीसा उच्च न्यायालय ने ओडिशा प्रशासनिक सेवा (ओसीएस)-2021 के परिणाम प्रकाशित करने पर अंतरिम रोक लगा दी है। उच्च न्यायालय ने इसके साथ ही ओडिशा लोकसेवा आयोग (ओपीएससी) को तय समय सारिणी के तहत चल रहे व्यक्तित्व परीक्षा को जारी रखने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति ए.के. महापात्रा द्वारा पिछले सप्ताह पारित आदेश में कहा गया, भर्ती परीक्षा का परिणाम अदालत की अनुमति के बिना जारी नहीं किया जाना चाहिए। अदालत ने यह आदेश एक दिव्यांग उम्मीदवार सतीश कुमार पाणिग्रही की रिट याचिका पर सुनाया। पाणिग्रही को जारी भर्ती प्रक्रिया में शामिल होने की अनुमति नहीं दी गई थी।

सूर्यास्त 26-07-2023 6:37 बजे	सूर्योदय 27-07-2023 5:53 बजे
BSE 66,355.71 (-29.07)	NSE 19,680.60 (+8.25)
सोना 6,178 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 81,300 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

नमक हराम

कुछ लगा रहे नारे जम कर,
कह कर खुद को खालिस्तानी।
कुछ नक्सलवादी बने हुए,
कर रहे देश में मनमानी।
कुछ तोड़ रहे हैं देश आज,
फितरत जिनकी पाकिस्तानी।
थाली में छेद कर रहे हैं,
बन करके वे हिंदुस्तानी।।

ईस्ट इंडिया कंपनी, इंडियन मुजाहिदीन जैसे नामों का हवाला दे प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' पर साधा निशाना

'इंडिया नाम रखकर लोगों को गुमराह नहीं किया जा सकता'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद में जारी गतिरोध के बीच विपक्षी गठबंधन के नये नाम 'इंडिया' को लेकर निशाना साधते हुए मंगलवार को कहा कि सिर्फ देश का नाम इस्तेमाल कर लोगों को गुमराह नहीं किया जा सकता।

मोदी ने यहां संसद भवन परिसर के पुस्तकालय भवन में जीएमसी बालयोगी सभागार में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की संसदीय दल की बैठक में यह बात कही। केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने संवाददाताओं को पार्टी संसदीय दल की बैठक के बारे में जानकारी दी।

मेघवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री ने कहा कि ईस्ट इंडिया कंपनी में भी इंडिया था और इंडियन मुजाहिदीन में भी इंडियन है लेकिन सिर्फ 'इंडिया' नाम रखने से 'इंडिया' नहीं हो जाता। उन्होंने कहा,केवल देश का नाम इस्तेमाल करके ही लोगों को गुमराह नहीं किया जा सकता।

प्रधानमंत्री ने कहा, विपक्षी पार्टियों ने इंडिया नाम, लोगों को गुमराह करने के लिए रखा है। विपक्ष, सत्ता में नहीं आना चाहता। लोगों को गुमराह करने के लिए ही 'इंडिया' नाम का इस्तेमाल किया जा रहा है। ईस्ट इंडिया कंपनी में भी इंडिया है....विपक्ष हताश, निराश और दिशाहीन है। ऐसा लग रहा है कि विपक्ष ने मन बना लिया है कि उन्हें लंबे समय तक विपक्ष में ही रहना है।

मेघवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि विपक्ष भारत के लोगों को भोला-भाला समझता है और उन्हें लगता है कि जनता को जो वो बताएंगे, जनता उसी पर विश्वास कर लेगी। लेकिन जनता बहुत समझदार है। देश के लोग भारत को विकसित देश बनाने की इच्छा रखते हैं और वे ऐसा करके ही रहेंगे।

उद्घाटन

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति के रूप में एक वर्ष का कार्यकाल पूरा करने के उपलक्ष्य में मंगलवार को राष्ट्रपति भवन के मार्बल हॉल में 'जनजातीय दर्पण' गैलरी का उद्घाटन किया। इस गैलरी की स्थापना राष्ट्रपति भवन द्वारा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) के सहयोग से की गई है।

सरकार मणिपुर मुद्दे पर लंबी चर्चा के लिए तैयार : शाह

जनता से डरे विपक्ष, मणिपुर के संवेदनशील मुददे पर चर्चा का उचित माहौल बनाए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को लोकसभा में कहा कि विपक्षी दलों को जनता से डरना चाहिए और मणिपुर जैसे संवेदनशील विषय पर चर्चा के लिए सदन में उचित माहौल बनाना चाहिए तथा सरकार को चर्चा से कोई डर नहीं है। उन्होंने निचले सदन में बहु राज्य सहकारी समितियां संशोधन विधेयक 2022 पर हुई संक्षिप्त चर्चा का जवाब देते हुए मणिपुर के विषय का उल्लेख किया और बताया कि उन्होंने इस संदर्भ में लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष के दोनों नेताओं को पत्र लिखा है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं तो अधीर रंजन चौधरी लोकसभा में सबसे बड़े विपक्षी दल की हैसियत रखने वाली कांग्रेस के नेता हैं।

शाह ने यह भी कि सरकार को मणिपुर पर चर्चा से कोई डर नहीं है और उसे कुछ छिपाना भी नहीं है। उन्होंने विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी के बीच कहा, मैंने आज दोनों सदन के विपक्ष के नेता को पत्र लिखा है कि कितनी भी लंबी चर्चा के लिए मैं तैयार हूं। सरकार को कोई डर नहीं है, जिसको चर्चा करनी है वो चर्चा करने आए। हमें कुछ छिपाना नहीं है।

गृह मंत्री ने विपक्षी सदस्यों के लिए कहा, जनता आपको देख रही है, चुनाव में जाना है। जनता के खौफ को ध्यान में रखें। आपसे विनती है कि मणिपुर जैसे संवेदनशील मुद्दे पर चर्चा के लिए सदन में उचित माहौल बनाइए।

मणिपुर के मुद्दे पर संसद में जारी गतिरोध के बीच गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को भी लोकसभा में कहा था कि सरकार इस बेहद संवेदनशील मुद्दे पर चर्चा को तैयार है और विपक्ष से आग्रह है कि वे चर्चा होने दें और सच्चाई सामने आने दें।

ज्ञानवापी और विश्वेश्वर मंदिर विवाद मामले में फैसला सुरक्षित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज/वार्ता। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने ज्ञानवापी मस्जिद और विश्वेश्वर मंदिर विवाद मामले में फैसला सुरक्षित कर लिया है। कोर्ट अब 28 अगस्त को अपना फैसला सुनाएगी।

दूसरी ओर मुख्य न्यायाधीश की अदालत ने उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद मुस्लिम पक्ष की ओर से एएसआई सर्वे कराने के खिलाफ दाखिल याचिका पर मंगलवार शाम सवा चार बजे से सुनवाई शुरू की। सुनवाई पौने पांच बजे तक चली। कोर्ट बुधवार को सुबह साढ़े नौ बजे से फिर सुनवाई करेगी। मुख्य न्यायाधीश प्रीतिंकर दिवाकर मामले की सुनवाई कर रहे हैं।

ज्ञानवापी में एएसआई सर्वे पर रोक लगाने के लिए मुस्लिम पक्ष ने मंगलवार को उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल की। वहीं, सोमवार को हिंदू पक्ष ने भी इस मामले में कैविएट दाखिल की थी। गौरतलब है कि जिला जज ने ज्ञानवापी विवादित परिसर का एएसआई सर्वे का आदेश दिया था जिसके खिलाफ मुस्लिम पक्ष ने सीधे उच्चतम न्यायालय में याचिका दाखिल की थी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सुनवाई करते हुए 26 जुलाई तक सर्वे पर रोक लगा दी है। मस्जिद इंतजामिया कमेटी ने आर्टिकल 227 के तहत वाराणसी जिला जज के 21 जुलाई के सर्वे के आदेश को चुनौती दी है।

हरमनप्रीत दो मैचों के लिए निलंबित

दुबई/वार्ता। भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की आचार संहिता के दो अलग-अलग उल्लंघनों के बाद अगले दो अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिये निलंबित कर दिया गया है। आईसीसी ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। हरमनप्रीत को भारत और बंगलादेश के बीच ढाका में शनिवार को खेले गये तीसरे वनडे मैच के दौरान हुई घटना के लिये निलंबित किया गया है। पहली घटना तब हुई जब हरमनप्रीत ने स्पिनर नाहिदा अख्तर की गेंद पर स्लिप में कैच आउट दिए जाने के बाद अपने बल्ले से विकेटों पर प्रहार करके निराशा व्यक्त की। उन्हें पवेलियन लौटने से पहले अंपायर को कुछ शब्द भी कहे। आचार संहिता के दूसरे स्तर के अपराध के लिये हरमनप्रीत पर मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया और उनके अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में तीन डिमेरिट अंक जोड़े गये। दूसरी घटना तब हुई जब हरमनप्रीत ने मुकाबला टाई होने के बाद प्रेजेंटेशन समारोह में 'खराब अंपायरिंग' की तीखी आलोचना की। हरमनप्रीत पर अंतरराष्ट्रीय मैच में हुई एक घटना के संबंध में सार्वजनिक आलोचना से संबंधित स्तर-1 के अपराध के लिये उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया।

राज्यसभा का संचालन करने वाली नगालैंड की पहली महिला सदस्य बनीं कोन्याक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा की सदस्य एस फान्गनॉन कोन्याक ने मंगलवार को उच्च सदन की कार्यवाही का संचालन किया। वह ऐसा करने वाली नगालैंड की पहली महिला सदस्य हैं। भोजनावकाश के बाद राज्यसभा में, छत्तीसगढ़ में धनुहार, धनुवार, किसान, सौंरा, साओंरा और बिंझिया समुदायों को अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल करने के प्रस्ताव वाले संविधान (अनुसूचित जनजाति) आदेश (पांचवां संशोधन) विधेयक, 2022 पर चर्चा हो रही थी तब वह आसन पर आईं।

सदन में मौजूद सदस्यों ने मेज थपथपाकर उनका अभिनंदन किया।

जब यह विधेयक पारित हुआ, उस समय कोन्याक ही पीठासीन उपाध्यक्ष के रूप में आसीन थीं।

उच्च सदन ने चर्चा के बाद इस विधेयक को ध्वनिमत से पारित कर दिया। विधेयक पर चर्चा के दौरान, मणिपुर हिंसा पर चर्चा की मांग कर रहे विपक्षी सदस्यों ने सदन से बहिर्गमन किया।

पाकिस्तान के गुरुद्वारा दरबार साहिब की तीर्थ यात्रा करतारपुर गलियारे के रास्ते बहाल

चंडीगढ़/गुरदासपुर/भाषा। पाकिस्तान स्थित ऐतिहासिक गुरुद्वारा दरबार साहिब में भारत से मत्था टेकने जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए मंगलवार को करतारपुर गलियारा दोबारा से खोल दिया गया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गलियारा दोबारा खोलने का फैसला रावी नदी में जलस्तर कम होने के बाद लिया गया। उन्होंने बताया कि रावी नदी के जल संग्रहण क्षेत्र में भारी बारिश के बाद नदी के जलस्तर में वृद्धि के मद्देनजर 20 जुलाई को करतारपुर गलियारे को बंद कर दिया गया था। पाकिस्तान में सिख धर्म के संस्थापक गुरुनानक देव के अंतिम निवास स्थान व ज्योति से समाने के स्थल (समाधि स्थल) गुरुद्वारा दरबार साहिब को करतारपुर गलियारा भारत के गुरदासपुर स्थित डेरा बाबा नानक गुरुद्वारा से जोड़ता है। गुरदासपुर के उपायुक्त हिमांशु अग्रवाल ने कहा कि श्रद्धालुओं के लिए मंगलवार को करतारपुर गलियारे को बहाल कर दिया गया।

तालिबान ने अफगानिस्तान में ब्यूटी पार्लर पर प्रतिबंध लगाया

इस्लामाबाद/एपी। तालिबान ने मंगलवार को ऐलान किया कि अफगानिस्तान में सभी ब्यूटी पार्लर अब बंद हो जाने चाहिए क्योंकि एक महीने की समयसीमा समाप्त हो गई है। तालिबान के 'वर्च्यू एंड वाइस मिनिस्ट्री' मंत्रालय के प्रवक्ता सादिक आकिफ मेहजर ने यह नहीं बताया कि क्या आदेश का अनुपालन नहीं करने वाले ब्यूटी पार्लर के खिलाफ बलप्रयोग किया जाएगा। अफगानिस्तान की महिलाओं और लड़कियों के अधिकारों व स्वतंत्रता पर पाबंदी लगाने की कड़ी में यह एक नया कदम है। इससे पहले उनकी शिक्षा, सार्वजनिक स्थानों पर जाने और अधिकतर रोजगारों पर पाबंदी लगाई जा चुकी है। तालिबान ने कहा कि उसने ब्यूटी पार्लर पर पाबंदी लगाने का फैसला इसलिए लिया क्योंकि वे ऐसी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं, जो इस्लाम में हराम हैं। साथ ही इससे शादी के दौरान लड़के के परिवारों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इससे पहले तालिबान ने ब्यूटी पार्लर बंद करने के लिए एक महीने का समय दिया था। इस फैसले का छिटपुट विरोध हुआ, जिनमें काबुल में ब्यूटीशियन और मेकअप कलाकारों का जुटना शामिल है। सुरक्षा बलों ने इस प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए बल प्रयोग किया था और हवा में गोलियां चलाई थीं।

दिल्ली दंगे 2020

49 आरोपियों के खिलाफ दंगे और आगजनी के आरोप तय

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने 2020 में हुए दंगों से संबंधित मामले में 49 आरोपियों के खिलाफ दंगे और आगजनी समेत विभिन्न अपराधों के तहत आरोप तय किए, जिसके साथ ही उनके खिलाफ मुकदमा चलाने का रास्ता तैयार हो गया। हालांकि अदालत ने इन सभी आरोपियों को आपराधिक षड़यंत्र के आरोप से मुक्त कर दिया और कहा कि आरोपियों और अन्य लोगों ने कोई साजिश रची थी, यह साबित नहीं हो सका। अदालत ने एक आरोपी को सभी आरोपों से मुक्त करार दिया और कहा कि दंगाई भीड़ में उसके शामिल होने के कोई ठोस सबूत नहीं हैं। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश पुलस्त्य प्रमाचला 51 आरोपियों के खिलाफ एक मामले की सुनवाई कर रहे थे। इनमें से सुलेमान सिद्दीकी नाम के एक व्यक्ति को अभी गिरफ्तार नहीं किया जा सका है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, आरोपी उस भीड़ का हिस्सा थे जिसने 24 फरवरी, 2020 को मुख्य वजीराबाद रोड पर एक कार के शोरूम में अतिक्रमण, तोड़फोड़ और आगजनी की थी। न्यायाधीश ने सोमवार को पारित आदेश में कहा, प्रथम दृष्टया मैंने पाया है कि भारतीय दंड संहिता की धाराओं 147 (दंगा), 148 (दंगा करना, घातक हथियारों से लैस होना), 427 (उपद्रव मचाने और उसके कारण 50 रुपए या उससे अधिक की राशि की हानि या क्षति करने के लिए दंड), 435 (आगजनी या विस्फोटक पदार्थों के जरिए 100 रुपए या उससे अधिक राशि का नुकसान करना) और 436 (घर आदि को नष्ट करने के इरादे से आग या विस्फोटक पदार्थ से उपद्रव मचाना) के तहत मुकदमा चलना चाहिए।

चंद्रयान-3 को और ऊंची परिक्रमा-कक्षा में पहुंचाने की कार्रवाई की इसरो ने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के वैज्ञानिकों ने 'चंद्रयान-3' को चंद्रमा की कक्षा में ऊपर उठाने की पांचवें चरण की प्रक्रिया मंगलवार को सफलतापूर्वक पूरी कर ली। इस प्रक्रिया से यान पृथ्वी की कक्षा से बाहर निकलेगा और एक अगस्त को निर्धारित कार्यक्रम के तहत चंद्रमा की तरफ बढ़ेगा। इस तरह की प्रत्येक प्रक्रिया का मतलब है कि यान पृथ्वी की कक्षा से आगे निकल रहा है और चंद्रमा की कक्षा के करीब पहुंच रहा है। इसरो ने कहा कि यह कार्य बेंगलूरु में इसरो टेलीमेट्री, ट्रैकिंग एंड कमांड नेटवर्क (आईएसटीआरएसी) से किया गया।

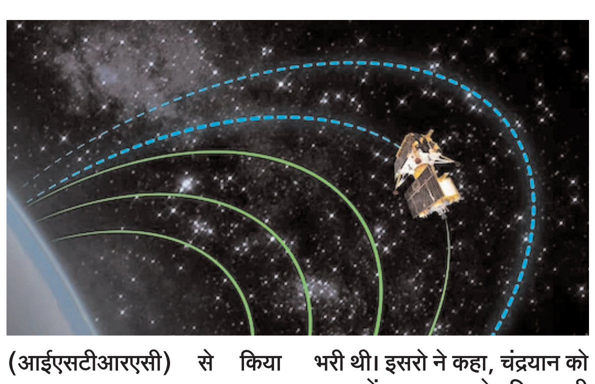

इसरो ने कहा, यान के 127609 किलोमीटर द 236 किलोमीटर की कक्षा में पहुंचने की उम्मीद है। अवलोकन के बाद हासिल की गई कक्षा की पुष्टि की जाएगी। चंद्रयान-3 ने 14 जुलाई को चंद्रमा की सतह के लिए उड़ान भरी थी। इसरो ने कहा, चंद्रयान को कक्षा में ऊपर उठाने की अगली प्रक्रिया 'ट्रांसलूनार इंजेक्शन (टीएलआई)' एक अगस्त 2023 को मध्य रात्रि 12 बजे से एक बजे के बीच की जाएगी।

इसरो के एक अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि टीएलआई की प्रक्रिया के बाद चंद्रयान-3 पृथ्वी की कक्षा से बाहर निकल जाएगा और उस पथ पर अग्रसर हो जाएगा, जो उसे चंद्रमा के करीब ले जाएगा।

अधिकारी के मुताबिक, दूसरे शब्दों में कहें तो एक अगस्त को टीएलआई प्रक्रिया पूरी होने के बाद यान पृथ्वी की कक्षा से बाहर निकल जाएगा और चंद्रमा के करीब पहुंचने के अपने सफर की शुरुआत करेगा। उन्होंने बताया कि टीएलआई प्रक्रिया चंद्रयान-3 को 'लूनार ट्रांसफर ट्रैजेक्टरी' (चंद्र स्थानांतरण प्रक्षेपवक्र) यानी चंद्रमा की कक्षा में दाखिल होने के सफर पर ले जाएगी। इसरो ने कहा है कि वह आगामी 23 अगस्त को चंद्रयान-3 की चंद्रमा की सतह पर 'सॉफ्ट लैंडिंग' कराने की कोशिश करेगा।

अंत समय में समाधि से ही जीवन सफल बनता है : आचार्य महेन्द्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राणीबेन्नूर। शहर के सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूतिपूजक संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीजी ने'ऐसी दशा हो भगवन्-जब प्राण तन से निकले भाववाही कार्यक्रम' में कहा कि जीवन उसका मंगल है, जिसकी मृत्यु मंगल है। पर ख्याल रहे कि मृत्यु उसी की सफल होती है, जिसने जीवन के अंतिम समय मे समाधि पायी हो। जीवन की तमाम साधनाओं का आराधनाओं का तप और जप का अनुष्ठानों और क्रियाओं विधानों का सार है, समाधि भरण।

आधि और व्याधि के सागर के बीच समता की निर्मल सरिता के प्रवाह को टिकाए रखना सरल-सहज नहीं है। समाधि मरण की कोशिश और कामना सिर्फ अंत समय में ही न हो किन्तु हर समय हर दिन बनी रहनी चाहिए। अंत समय में जबान पर प्रभु का नाम होगा और आत्मा में आराधना का स्पंदन होगा तो समाधि मरण का वातावरण होगा। जनाजा निकले उसके पहले जीवन का जलजला समझ लो। जीवन समाप्त हो-उससे पहले जीवन के सार को समझना है। जीना और मरना उसी का सार्थक है, की जिसने जीवन को उत्सव एवं मृत्यु को समाधिपूर्वक पाकर महोत्सव बनाया है। जीवन कैसी भी दरिद्र- दीन-हीन. या बेहाली में बितेगा तो चलेगा परन्तु मृत्यु के समय साधना समता और समाधि का लेना जरूरी है।

खरतरगच्छ स्थापना दिवस पर किया अन्नदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु । स्थानीय जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में साध्वी सुलोचनाश्रीजी की प्रेरणा से अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद के सदस्यों ने खरतरगच्छ स्थापना दिवस के मौके पर चामराजपेट, डीवीजी रोड, मावल्ली क्षेत्रों के विभिन्न आश्रमों के 300 बच्चों व महिला-पुरुषों को भोजन कराया। इस कार्य में युवा परिषद के ललित रांका, गौतम कोठारी आदि सदस्यों ने सहयोग मिला।

तेलंगाना के कई हिस्सों में बारिश के कारण सामान्य जनजीवन प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के कई हिस्सों में बीते 24 घंटे के दौरान हुई भारी बारिश के कारण कुछ इलाकों में जलभराव हो गया और सड़क संपर्क अवरूद्ध हो गया। बारिश के कारण सैदाबाद और हैदराबाद के अन्य इलाकों में सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ है।

राज्य के कई इलाकों में मूसलाधार बारिश जारी है। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) क्षेत्र के मालकपेट सर्कल में सरदार महल जोनल कार्यालय में सबसे अधिक 7.8 सेंटीमीटर बारिश हुई।

वारंगल, निजामाबाद और अन्य जिलों में नदी, नाले, झरने आदि उफान पर थे। इससे सड़कों पर पानी बहने लगा और यातायात तथा सड़क संपर्क अवरूद्ध हो गया।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के केंद्र ने आज 'तेलंगाना के जिलों के लिए भारी बारिश की चेतावनी' में कहा कि करीमनगर, पेद्दापल्ली और अन्य जिलों में अलग-अलग स्थानों पर 25 जुलाई तड़के एक बजे से 26 जुलाई सुबह साढ़े आठ बजे तक भारी से बहुत भारी बारिश होने के आसार हैं।

इसी अवधि के दौरान निर्मल, जगतियाल और अन्य जिलों में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होने का अनुमान जताया गया है।

राजधानी हैदराबाद में सोमवार शाम को भारी बारिश हुई, जिससे कई जगहों की मुख्य सड़कों पर जलभराव हो गया। इससे यातायात बाधित हो गया और कार्यालयों से लौटने वाले लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

अर्थ और काम दुर्गति के और धर्म और मोक्ष सद्गति के कारण हैं : साध्वी प्रियवर्षाजंनाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागड़ी रोड स्थित सुमतिनाथ जैन श्वेतांबर संघ में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री प्रीतिसुधाश्रीजी की निश्रा में साध्वी प्रियश्रेयांजनाश्रीजी की निश्रा में धर्म बिंदु ग्रंथ और अमरकुमार सुरसुंदरी चरित्र का वाचन चल रहा है। मंगलवार को साध्वीश्री प्रियवर्षान्जनाश्रीजी म सा ने कहा कि हमें दुर्लभ मानव भव मिला लेकिन सबका लक्ष्य अलग अलग है, किसी को धन कमाना, किसी को परिवार का, किसी को सुविधा का, इसके बावजूद कोई सुखी नहीं है। बिना लक्ष्य का जीवन पशु समान है, अंतिम लक्ष्य तो मोक्ष ही है। बिना पुरुषार्थ के कोई काम नहीं। पुरुषार्थ 4 प्रकार के है, अर्थ पुरुषार्थ, काम पुरुषार्थ, धर्म पुरुषार्थ व मोक्ष पुरुषार्थ। अर्थ और काम दुर्गति के कारण है और धर्म और मोक्ष सद्गति के कारण है। धर्म पुरुषार्थ के अंतर्गत 3 पुरुषार्थ है, तत्त्व ज्ञान की प्राप्ति, दीन दुखियों की सेवा और नियम का पालन। तत्त्व मुख्यतया 9 है, जीव, अजीव, पुण्य, पाप, आश्रव, सम्वर, निर्जरा, बंध व मोक्ष। इनका समावेश जीव अजीव इन दो तत्वों में हो जाता है। इन दो तत्वों के संयोग से संसार चलता है। तत्त्व ज्ञान की प्राप्ती के लिए सबसे पहले ज्ञान पढ़ने की रुचि होना, इच्छा प्रकट करना, सुनने की इच्छा, याद करने का प्रयास, चिंतन करना। दीन दुखियों की सेवा स्वार्थ त्याग की भावना से करनी चाहिए, राजा भोज निःस्वार्थ भाव से दीन दुखियों की सेवा करते थे। व्यक्ती को स्वयं की प्रशंसा नहीं, पर दूसरों की प्रशंसा करनी चाहिए। व्यक्ति को अपने नियम दृढ़तापूर्वक पालन करना चाहिए।

हिमाचल के कुल्लू में बादल फटने से मकान क्षतिग्रस्त, पुल बहे

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले की गड़सा घाटी में मंगलवार सुबह बादल फटने से बिजली आपूर्ति बाधित हो गई और क्षेत्र के कुछ मकानों एवं कृषि भूमि को नुकसान पहुंचा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि दो पुल और कुछ पशुओं के बह जाने की आशंका है और भुंतर-गड़सा सड़क कई स्थानों पर टूट गई है। उन्होंने बताया कि राजस्व अधिकारी स्थिति की समीक्षा के लिए घटनास्थल पर पहुंच गए हैं।

अधिकारियों के मुताबिक, बादल फटने से इलाके में विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई है और कुछ सड़कें अवरुद्ध हो गई हैं। मलाणा बांध के एक फाटक में गड़बड़ी के कारण पानी के अत्यधिक तेज प्रवाह की वजह से सोमवार को कुल्लू जिला प्रशासन ने पार्वती नदी के किनारे रह रहे स्थानीय लोगों को सतर्क रहने को कहा था। कुल्लू के उपायुक्त आशुतोष गर्ग ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, हमने नदी के किनारे बसे गांवों में रह रहे लोगों को सतर्क कर दिया है कि मलाणा बांध दो में दरार पड़ने की स्थिति में उन्हें वहां से हटाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि स्थिति अभी गंभीर नहीं है, क्योंकि केवल 30 क्यूसेक पानी का अधिक प्रवाह हो रहा है और दरार पड़ने की स्थिति में मलाणा बांध-एक कुछ समय के लिए पानी रोक सकता है, जिससे लोगों को निकालने के लिए समय मिल जाएगा।

स्थानीय मौसम विभाग कार्यालय ने 25 और 26 जुलाई को अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने का 'ऑरेंज' अलर्ट और 24 और 27 जुलाई को भारी बारिश का 'येलो' अलर्ट रविवार को जारी किया था। राज्य आपदा प्रक्रिया केंद्र के अनुसार, 24 जून को मानसून आने के बाद से राज्य में वर्षाजनित दुर्घटनाओं और सड़क हादसों में 164 लोगों की मौत हो चुकी है तथा 5,269 करोड़ रुपए की संपत्ति का नुकसान हुआ है।

पुण्य से ही देव-गुरु और धर्म की प्राप्ति होती है : मुनिश्री राजपद्मसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शांतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ ट्रस्ट के तत्वावधान में एलएनपुरम स्थित समणी भवन के प्रांगण में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री राजपद्मसागरजी ने कहा कि पुण्य से ही देव-गुरु और धर्म की प्राप्ति होती है। मुनिश्री ने बताया कि धर्मबिंदु ग्रंथ में आचार्यश्री हरिभद्रसूरीजी म. सा ने बताया कि पुण्य से धर्म की प्राप्ति होती है। पुण्य के बारे में समझाते हुए कहा कि हमने जो पूर्व के भव में पुण्य किया होगा इसलिए हमें एक सब कुछ प्राप्त हुआ। जो अतीत का पुण्य है उसको संचित पुण्य कहते है। पुण्य उपार्जन करने के लिए अन्नदान करना ,भूखे को भोजन करना व प्यासे को पानी पिलाना चाहिए। तीसरे नम्बर कर है पुण्य आसन अर्थात किसी बुर्जुग को हमेशा आसन देना चाहिए अर्थात सम्मान देना चाहिए। जीवन में विनय को धारण करना चाहिए।

'केंद्र को सेमीकंडक्टर संयंत्र के लिए फॉक्सकॉन, वेदांता के प्रस्तावों का इंतजार'

गांधीनगर/भाषा। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि केंद्र देश में सेमीकंडक्टर संयंत्र लगाने को लेकर ताइवान की फॉक्सकॉन और विभिन्न कारोबार क्षेत्रों से जुड़ी वेदांता के अलग-अलग प्रस्तावों का इंतजार कर रहा है।

इस महीने की शुरुआत में फॉक्सकॉन उद्योगपति अनिल अग्रवाल की वेदांता के साथ संयुक्त उद्यम के तहत सेमीकंडक्टर बनाने का संयंत्र लगाने के प्रस्ताव से हट गई थी। ताइवान की इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण कंपनी ने कहा कि वह भारत में अलग से सेमीकंडक्टर इकाई लगाने के लिए काम कर रही है। सेमीकंडक्टर मामले में पूछे गए सवाल के जवाब में चंद्रशेखर ने कहा, दो निजी भागीदारों ने भारत में सेमीकंडक्टर संयंत्र लगाने के लिए संयुक्त उद्यम का प्रस्ताव दिया था। उनका अब मानना है कि वे अलग-अलग प्रस्ताव देंगे। हम उनके प्रस्तावों का इंतजार करेंगे और उसके मुताबिक आकलन करेंगे। चंद्रशेखर ने सेमीकॉन इंडिया-2023 के तहत सेमीकंडक्टर से संबंधित अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों पर आयोजित छह दिन की प्रदर्शनी के उद्घाटन समारोह में कहा कि देश ने सेमीकंडक्टर क्षेत्र में पिछले 15 महीनों में जो हासिल किया है, वह 70 साल में हासिल नहीं किया था।

पंजाब : कांग्रेस नेता अश्वनी सेखड़ी भाजपा में शामिल

चंडीगढ़/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधायक अश्वनी सेखड़ी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ की मौजूदगी में मंगलवार को यहां पार्टी में शामिल हो गए।

दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात करने और पार्टी में शामिल होने का इरादा जताने के कुछ दिनों बाद सेखड़ी भाजपा से जुड़ गए।

अश्वनी सेखड़ी 1985, 2002 और 2012 में तीन बार बटाला विधानसभा सीट से विधायक रह चुके हैं। उन्होंने 2002 से 2007 के बीच अमरिंदर सिंह नीत तत्कालीन सरकार में मंत्री पद भी संभाला। सेखड़ी ने 16 जुलाई को दिल्ली में शाह से मुलाकात की थी, जिसके बाद उनके भाजपा में शामिल होने की अटकलें लगाई जा रही थीं।

केंद्रीय बैंकों को निरीक्षण ढांचे में जलवायु जोखिमों को शामिल करने की जरूरतः राव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर एम राजेश्वर राव ने कहा है कि केंद्रीय बैंकों को हरित वित्त के लिए ढांचे और मानकों के विकास में योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसके लिए उन्हें अपने निरीक्षण ढांचे में जलवायु संबंधी जोखिमों को शामिल करने की जरूरत है।

उन्होंने 'केंद्रीय बैंकिंग के लिए जलवायु प्रभाव' पर एक समूह चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि सिर्फ नए हरित उद्यमों का वित्तपोषण पर्याप्त नहीं है। मौजूदा उत्सर्जक फर्मों के उत्पादन या वृद्धि से समझौता किए बिना उनके लिए रूपांतरण योजनाओं की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, ऐसा करने के लिए केंद्रीय बैंक अपने निरीक्षण ढांचे में जलवायु-संबंधी जोखिमों को शामिल कर सकते हैं और हरित वित्त के लिए ढांचे और मानकों के विकास में योगदान दे सकते हैं। ये ढांचे हरित वित्त बाजार में पारदर्शिता, मानकीकरण और ईमानदारी को बढ़ावा देने में मदद कर सकते हैं। आरबीआई ने मंगलवार को आईएमएफ और सेंटर फॉर सोशल एंड इकनॉमिक फोरम द्वारा 19 जुलाई को नई दिल्ली में आयोजित इस समूह चर्चा पर राव की टिप्पणी जारी की। डिप्टी गवर्नर ने आगे कहा कि पिछले कुछ वर्षों में आरबीआई हरित वित्त पहल को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न नीतिगत उपाय कर रहा है।

वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का वाणिज्यिक उत्पादन जून, 2025 से : टीआरएसएल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

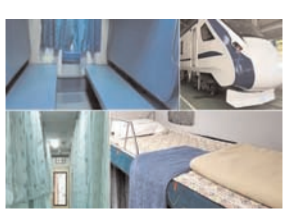

कोलकाता/भाषा। वंदे भारत की शयनयान कोच से सजी ट्रेनों का वाणिज्यिक उत्पादन टीटागढ़ रेल सिस्टम्स लिमिटेड (टीआरएसएल) के उत्तरपाड़ा संयंत्र में जून, 2025 से शुरू होगा। टीआरएसएल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम बीएचईएल के साथ स्थापित गठजोड़ को रेलवे ने वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के 80 सेट बनाने का काम सौंपा है।

वंदे भारत की यह स्लीपर ट्रेन अभी तक परिचालन में मौजूद वंदे भारत ट्रेन से अलग होगी। इसमें बैठने वाली सीटों की जगह यात्रियों के सोने लायक सीट लगाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि गठजोड़ इस ट्रेन के 50-55 प्रतिशत कलपुर्जों का निर्माण बंगाल में ही करेगा। इस गठजोड़ में टीआरएसएल की हिस्सेदारी 52 प्रतिशत है। कंपनी के वाइस चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक उमेश चौधरी ने कहा कि गठजोड़ को रेलवे से मिले इस ठेके का कुल मूल्य 24,000 करोड़ रुपए है जिसमें टीआरएसएल की हिस्सेदारी करीब 12,716 करोड़ रुपए की है। उन्होंने कहा कि इस अनुबंध को छह साल के भीतर पूरा किया जाएगा।

चौधरी ने कहा, वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का वाणिज्यिक उत्पादन जून, 2025 से शुरू होगा और इसके लिए उत्तरपाड़ा संयंत्र में जरूरी ढांचा तैयार का काम शुरु कर दिया गया है। इसके लिए 650 करोड़ रुपए की पूंजी का इंतजाम अलग से किया गया है।

उन्होंने कहा कि वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का पहला प्रोटोटाइप दो साल के भीतर तैयार कर लिया जाएगा। पहली आठ ट्रेनें पूरी तरह उत्तरपाड़ा संयंत्र में बनाई जाएंगी जबकि बाकी ट्रेनों को रेलवे के चेन्नई संयंत्र में असेंबल किया जाएगा।

हरियाणा के पूर्व मंत्री कांडा विमान परिचारिका को आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में बरी

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने विमान परिचारिका गीतिका शर्मा को आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में हरियाणा के पूर्व मंत्री गोपाल गोयल कांडा को बरी कर दिया। विशेष न्यायाधीश विकास ढुल ने मामले में सह-आरोपी अरुणा चड्ढा को भी बरी कर दिया और कहा कि अभियोजन पक्ष सभी उचित संदेहों से परे आरोपों को साबित करने में नाकाम रहा।

आरोपियों के खिलाफ भादंसं (आईपीसी) की धारा 306 (आत्महत्या के लिए उकसाना), 506 (आपराधिक धमकी), 201 (सबूत नष्ट करना), 120 बी (आपराधिक साजिश) और 466 (जालसाजी) सहित अन्य धाराओं के तहत आरोप लगाए गए थे। निचली अदालत ने कांडा के खिलाफ बलात्कार (376) और 377 (अप्राकृतिक यौन संबंध) के आरोप भी तय किए थे, लेकिन दिल्ली उच्च न्यायालय ने बाद में आईपीसी की धारा 376 व 377 के तहत लगाए आरोपों को खारिज कर दिया था।

2021-2022 में नमूनों की जांच में 379 दवाइयां नकली पाई गईं : सरकार

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने मंगलवार को राज्यसभा में कहा कि अप्रैल 2021 से मार्च 2022 के बीच दवाओं के 88,844 नमूनों के परीक्षण किए गए जिनमें 2545 दवाएं मानक गुणवत्ता की नहीं मिली जबकि 379 नकली पाई गईं। स्वास्थ्य राज्य मंत्री भारती प्रवीण पवार ने एक सवाल के लिखित जवाब में कहा कि विभिन्न राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के औषधि नियंत्रकों से मिली जानकारी के अनुसार, इसी अवधि के दौरान नकली या मिलावटी दवाओं के उत्पादन, बिक्री और वितरण को लेकर 592 मुकदमे चलाए गए। उन्होंने कहा कि अप्रैल 2020 से मार्च 2021 के बीच 84,874 नमूनों का परीक्षण किया गया, जिनमें से 2,652 दवाएं मानक गुणवत्ता की नहीं थीं जबकि 263 दवाइयां नकली पाई गईं। इस अवधि के दौरान नकली या मिलावटी दवाओं को लेकर 236 मुकदमे चलाए गए।

सरकारी विद्यालय के बिगड़े ढर्रे पर विद्यार्थियों ने 20 किलोमीटर पैदल चलकर जताया विरोध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

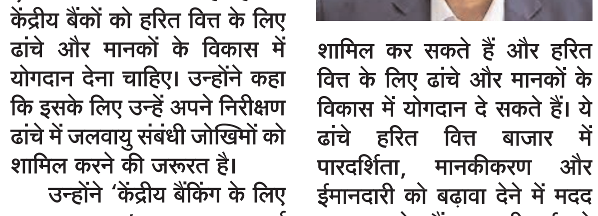

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। मध्यप्रदेश के इंदौर में शासकीय क्षेत्र के एक आवासीय विद्यालय की कथित अव्यवस्थाओं से नाराज करीब 150 विद्यार्थी मंगलवार को इस शिक्षण संस्थान से 20 किलोमीटर पैदल चलकर जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे। चश्मदीदों ने बताया कि पैदल चले विद्यार्थियों में से दो बच्चों को जिलाधिकारी कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन के दौरान चक्कर आ गए, जिनमें से एक बच्चे को प्राथमिक उपचार के लिए पुलिस की गाड़ी में ले जाया गया। उन्होंने बताया कि इंदौर से लगभग 20 किलोमीटर दूर मोरोद गांव स्थित शासकीय ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय के 150 विद्यार्थी नारेबाजी करते हुए पैदल जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे। उन्होंने बताया कि इस आवासीय विद्यालय को प्रदेश सरकार ने उत्कृष्ट शिक्षा केंद्र का दर्जा दे रखा है, जहां 60 प्रतिशत या इससे अधिक अंक अर्जित करने वाले प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को निःशुल्क प्रवेश दिया जाता है।

प्रदर्शनकारी विद्यार्थियों ने संवाददाताओं को बताया कि सोमवार को एक विद्यार्थी आवासीय विद्यालय की तीसरी मंजिल से नीचे गिरकर बुरी तरह घायल हो गया था जिसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। विद्यार्थियों ने कहा कि घायल छात्र के इलाज में आर्थिक सहयोग से विद्यालय प्रबंधन के कथित इंकार के चलते खुद विद्यार्थियों ने 19,000 रुपए का चंदा किया ताकि अस्पताल का बिल भरा जा सके। विद्यार्थियों ने आवासीय विद्यालय में किताबों और नियमित शिक्षकों की कमी को लेकर भी नाराजगी जताई। धरना-प्रदर्शन के दौरान प्रशासन के अफसरों ने विद्यार्थियों को लगातार समझाने की कोशिश की, लेकिन वे जिलाधिकारी डॉ. इलैयाराजा टी. से मिलकर उन्हें अपनी समस्याएं बताने पर अड़े रहे। आखिरकार, जिलाधिकारी ने अपने दफ्तर से बाहर निकलकर प्रदर्शनकारी विद्यार्थियों से मुलाकात की। मुलाकात के बाद उन्होंने संवाददाताओं को बताया,''मैंने एक अतिरिक्त जिलाधिकारी (एडीएम) को आदेश दिया है कि विद्यार्थियों की शिकायतों की विस्तृत जांच की जाए। जांच में गड़बड़ी सामने आने पर संबंधित लोगों के खिलाफ उचित कदम उठाए जाएंगे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
नाम परिवर्तन

नाम परिवर्तन

मैं शिल्पा महंती धर्मपत्नी धीमन महंती (नं. 4212161एक्स- रेंक एसईपी) निवासी, ग्राम-नूतनग्राम, पोस्ट-पुटियादाह, तहसील - खातरा, जिला - बंकुरा(पश्चिम बंगाल) यह घोषणा करती हूँ कि मैंने मेरा नाम शिल्पा महंती से बदलकर **शिल्पा गोस्वामी** रख लिया है इसलिए भविष्य में मुझे मेरे नए नाम से ही जाना जाए। नए नाम '**शिल्पा गोस्वामी**' का सत्यापन मैंने खातरा कोर्ट के नोटरी जयंत पात्रा के समक्ष 12 जुलाई2023 को करवाया है। अत: भविष्य में किसी भी दस्तावेज में मेरा सही नाम **शिल्पा गोस्वामी** दर्ज किया जाए।

छत्तीसगढ़ अनुसूचित जनजातियों से संबंधित विधेयक राज्यसभा में पारित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा ने मंगलवार को छत्तीसगढ़ में धनुहार, धनुवार, किसान, सौंरा, साओंरा और बिंझिया समुदायों को अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल करने के प्रस्ताव वाले संविधान (अनुसूचित जनजाति) आदेश (पांचवां संशोधन) विधेयक, 2022 को मंजूरी दे दी। राज्यसभा में इस विधेयक को चर्चा के बाद ध्वनिमत से पारित किया गया। विधेयक पर चर्चा के दौरान मणिपुर हिंसा पर चर्चा की मांग कर रहे विपक्षी सदस्यों ने सदन से बहिर्गमन किया।

चर्चा का जवाब देते हुए केंद्रीय मंत्री मुंडा ने कहा कि इस दौरान जो भी विचार या सुझाव सामने आए हैं सरकार उनके बारे में रचनात्मक तरीके से विचार करेगी। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकारों पर जनजातीय समाज की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि पिछले नौ सालों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने उनकी समस्याओं के समाधान की दिशा में सकारात्मक पहल किए हैं। उन्होंने राज्य सरकारों से आग्रह किया कि यदि जनजातीय समुदाय को नाम में त्रुटियों की वजह से सरकार के लाभ नहीं मिल रहे हैं तो वे इनकी सूची तैयार करें और इससे केंद्र सरकार को अवगत कराए क्योंकि इस प्रकार के संशोधन की प्रक्रिया क्रमवार जारी रहती है। उन्होंने कहा कि आज जो संशोधन विधेयक लाया गया है इनमें 12 आदिवासी जातियां और इनकी संख्या 72 हजार के करीब है।

श्रीलंकाई नौसेना ने नौ भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया, मुख्यमंत्री ने जताई चिंता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रामनाथपुरम/चेन्नई/भाषा। श्रीलंका की नौसेना ने उसकी समुद्री सीमा का कथित रूप से उल्लंघन करने पर तमिलनाडु के नौ मछुआरों को गिरफ्तार किया है, जिसके बाद राज्य के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने लगातार हो रहीं इस प्रकार की घटनाओं को लेकर चिंता जताते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर को पत्र लिखा है।

स्टालिन ने जयशंकर से कहा कि इस प्रकार की घटनाएं ''द्विपक्षीय संबंधों में तनाव पैदा करती हैं।

मत्स्य विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि रामनाथपुरम जिले के मंडपम के रहने वाले मछुआरे सोमवार सुबह मछलियां पकड़ने निकले थे और उन्हें देर रात कच्चाथीवु और नेदुनथीवु के बीच गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि श्रीलंकाई नौसेना ने दो मशीनीकृत नौका भी जब्त की हैं।

श्रीलंकाई नौसेना ने कोलंबो में जारी एक आधिकारिक बयान में बताया कि भारतीय मछुआरों को जाफना के डेल्फ्ट द्वीप के निकट सोमवार को गिरफ्तार किया गया।

उसने कहा कि श्रीलंकाई नौसेना और तटरक्षक ने ''श्रीलंकाई जल क्षेत्र से भारतीय नौकाओं को बाहर करने के लिए सोमवार रात को एक विशेष अभियान चलाया था। बयान में बताया गया कि इस अभियान के दौरान दो भारतीय नौका जब्त की गईं और नौ भारतीय नागरिक गिरफ्तार किए गए।

इसमें बताया गया कि जब्त की गई नौकाओं और गिरफ्तार किए गए मछुआरों को कांकेसंथुराई हार्बर लाया गया और उन्हें आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए मैलाडी मत्स्य निरीक्षक को सौंपा जाएगा।

स्टालिन ने तमिलनाडु के मछुआरों को श्रीलंकाई नौसेना द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद जयशंकर को पत्र लिखकर

लगातार हो रहीं इस प्रकार की घटनाओं पर ''गहरी चिंता एवं निराशा जताई। उन्होंने कहा कि नौ लोगों को गिरफ्तार किए जाने की घटना ऐसे समय में हुई है, जब ''मैंने इस पुराने मसले को सुलझाने के लिए कूटनीतिक प्रयास तेज करने का हाल में अनुरोध किया था।... दोनों देशों के बीच उच्च स्तरीय वार्ता के बावजूद जमीनी स्तर पर हालात नहीं बदले। उन्होंने कहा, मैंने प्रधानमंत्री (नरेन्द्र मोदी) से अपील की थी कि वह श्रीलंका के राष्ट्रपति के हमारे देश की यात्रा पर आने के दौरान इस मामले को प्रमुखता से उठाएं। मुझे उम्मीद थी कि यह यात्रा रचनात्मक बातचीत करने और ऐसा एक स्थाई समाधान खोजने का अवसर प्रदान करेगी, जिससे भारतीय एवं श्रीलंकाई मछुआरों की आजीविका और उनके अधिकारों का सम्मान सुनिश्चित हो सकेगा। उन्होंने सोमवार रात भारतीय मछुआरों की गिरफ्तारी का जिक्र करते हुए कहा कि इससे तमिलनाडु में मत्स्य समुदाय को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

स्टालिन ने जयशंकर से कहा, इस प्रकार की घटनाओं से द्विपक्षीय संबंधों में तनाव पैदा होता है और इनके कारण प्रभावित होने वाले परिवारों पर गंभीर सामाजिक-आर्थिक असर पड़ता है। मैं आपसे एक बार फिर अनुरोध करता हूं कि गिरफ्तार मछुआरों की रिहाई और जब्त की गई नौकाओं की वापसी सुनिश्चित करने के लिए हर संभव कदम उठाया जाए। मैं पाक खाड़ी क्षेत्र में मछली पकड़ने के अधिकार के मुद्दे का स्थाई और आपसी रूप से स्वीकार्य समाधान खोजने के महत्व पर फिर से जोर देता हूं।

तमिलनाडु सरकार ने यहां बताया कि मुख्यमंत्री एम के स्टालिन अगले महीने यहां मछुआरों के संघों के एक राज्य सम्मेलन में भाग लेंगे, जिसमें मछुआरों को गिरफ्तार किए जाने और उनकी नौकाओं को जब्त किए जाने के मामले पर चर्चा की जाएगी।

राज्य के मत्स्य पालन मंत्री अनीता आर राधाकृष्णन ने बताया कि मछुआरों के प्रतिनिधियों के निमंत्रण पर स्टालिन 18 अगस्त को बैठक में भाग लेंगे।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति में राधाकृष्णन के हवाले से कहा गया कि स्टालिन ने लिखित संवाद और टेलीफोन पर बातचीत के दौरान मछुआरों के मुद्दे को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर के सामने कई बार उठाया है।

श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने पिछले सप्ताह भारत यात्रा की थी और इस दौरान उनके एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच वार्ता में मछुआरों के मामले पर भी चर्चा की गई थी।

इस महीने में यह दूसरी बार है, जब श्रीलंकाई नौसेना ने भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया है।

इससे पहले, श्रीलंकाई नौसेना ने मछली पकड़ने वाली दो नौका पर सवार 15 भारतीय मछुआरों को नौ जुलाई को गिरफ्तार किया था।

टीवीएस क्रेडिट सर्विसेज का शुद्ध लाभ पहली तिमाही में 40.9 प्रतिशत बढ़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी टीवीएस क्रेडिट सर्विसेज लिमिटेड ने मंगलवार को बताया कि वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 40.9 प्रतिशत बढ़कर 117 करोड़ रुपए हो गया। टीवीएस क्रेडिट सर्विसेज ने पिछले वर्ष की इसी तिमाही के दौरान 83 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ दर्ज किया था।

समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी की कुल आय सालाना आधार पर 868 करोड़ रुपए से बढ़कर 1,353 करोड़ रुपए हो गई। इस दौरान प्रबंधन के तहत संपत्ति बढ़कर 21,924 करोड़ रुपए हो गई।

तमिलनाडु : गिरफ्तार मंत्री सेंथिल बालाजी की पत्नी की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका अदालत ने बंद की

चेन्नई/भाषा। मद्रास उच्च न्यायालय ने तमिलनाडु के गिरफ्तार मंत्री सेंथिल बालाजी की पत्नी द्वारा दाखिल बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका को इस मामले के उच्चतम न्यायालय में लंबित होने का हवाला देते हुए मंगलवार को बंद कर दिया। न्यायमूर्ति जे. निशा बानू और डी. भरत चक्रवर्ती की खंडपीठ ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और बालाजी का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता एन. आर. एलंगो की दलीलें सुनने के बाद याचिका को बंद कर दिया।

खंडपीठ के समक्ष याचिका यह तय करने के लिए सूचीबद्ध थी कि किस तारीख से ईडी सेंथिल बालाजी को हिरासत में ले सकती है। ईडी ने नौकरी के बदले नकदी घोटाले में सेंथिल को पूर्व में गिरफ्तार किया था। यह घोटाला उस वक्त हुआ था जब वह (सेंथिल) तत्कालीन ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) सरकार में परिवहन मंत्री थे।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जब आज (मंगलवार) मामले पर सुनवाई शुरू हुई तो न्यायमूर्ति निशा बानू ने कहा कि पूर्व में मामले में खंडित फैसला सुनाया गया था और इसे (मामले को) तीसरे न्यायाधीश के पास भेज दिया गया था, जिन्होंने बाद में न्यायमूर्ति भरत चक्रवर्ती के निष्कर्ष पर सहमति

जताई थी। उन्होंने कहा, मैं तिथि चार जुलाई 2023 को दिए अपने फैसले के पक्ष में हूं। मेरे पास इस मामले में कहने के लिए और कुछ नहीं है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि मामले को इस खंडपीठ के पास सिर्फ इसलिए भेजा गया था ताकि यह तय किया जा सके कि किस तारीख से ईडी की हिरासत शुरू होगी।

अपने फैसले के समर्थन की बात दोहराते हुए न्यायमूर्ति बानू ने कहा कि अपने आदेश में वह हिरासत में लिए गए व्यक्ति को छोड़ने की बात कह चुकी हैं।

निशा बानू ने कहा कि चूंकि मामला उच्चतम न्यायालय में लंबित है, हम मामले को बंद करेंगे।

एलंगो ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता ने आदेश को चुनौती दी है और उच्चतम न्यायालय के समक्ष विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) लंबित है। इतना ही नहीं ईडी ने फैसले के एक हिस्से को भी चुनौती दी है। दोनों एसएलपी पर बुधवार को सुनवाई होनी है। उन्होंने दलील देते हुए कहा कि दोनों पक्षों द्वारा आदेश को चुनौती दी गई है, इसलिए यह अदालत उच्चतम न्यायालय के आदेश तक इंतजार कर सकती है।

हालांकि बानू ने कहा, चूंकि मामला उच्चतम न्यायालय में लंबित है इसलिए अब हम इसपर कुछ नहीं कह सकते।

न्यायाधीश ने न्यायमूर्ति भरत चक्रवर्ती के विचार जानना चाहा, जिस पर उन्होंने कहा, हां, हम मामले को बंद करेंगे। न्यायमूर्ति भरत चक्रवर्ती के फैसले पर सहमति जताने वाले तीसरे न्यायाधीश न्यायमूर्ति सी.वे. कार्तिकेयन ने लेखागार को खंडपीठ के समक्ष वह तारीख बताने का निर्देश दिया, जिससे ईडी बालाजी को हिरासत में ले सकती है।

तमिलनाडु की पटाखे बनाने वाली इकाई में धमाका, दो महिलाओं की मौत

विरुद्धनगर (तमिलनाडु)/भाषा। जिले के थाइलपट्टी में एक पटाखा बनाने वाली इकाई में अचानक हुए धमाके में दो महिला श्रमिकों की मौत हो गई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जब दो महिला श्रमिक पटाखे बनाने के लिए विस्फोटक सामग्री को उठा रही थीं तो घर्षण के कारण विस्फोट हुआ। मृतकों की पहचान मुरुगेश्वरी और बानू के रूप में हुई है। आग पर काबू पाने के लिए दमकल की तीन गाड़ियों को भेजा गया। उन्होंने बताया कि घटना के संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

अविश्वास प्रस्ताव के दौरान प्रधानमंत्री को जवाब देना होगा : डी राजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

डी राजा बोले, भाजपा विपक्ष को सरकार और प्रधानमंत्री को जवाबदेह ठहराने की अपनी जिम्मेदारी से वंचित करने की कर रही है कोशिश

चेन्नई/दक्षिण भारत। सीपीआई महासचिव डी राजा ने मंगलवार को कहा कि जब विपक्षी दल संसद में अविश्वास प्रस्ताव लाएंगे तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मणिपुर हिंसा मुद्दे पर जवाब देना होगा।

उन्होंने यहां सीपीआई राज्य मुख्यालय में संवाददाताओं से कहा कि मोदी सरकार के खिलाफ विपक्ष द्वारा लाए जाने वाले अविश्वास प्रस्ताव का इरादा सदन में प्रधानमंत्री की उपस्थिति सुनिश्चित करना और मणिपुर हिंसा पर प्रतिक्रिया देना था। बाद में उन्होंने मणिपुर हिंसा के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया।

उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ भाजपा कहती रही है कि प्रधानमंत्री (मणिपुर हिंसा पर बहस का) जवाब नहीं देंगे और गृह मंत्री अमित शाह जवाब देंगे। इससे संसद के शीतकालीन सत्र की कार्यवाही रुक गई है। अब प्रधानमंत्री को बोलना होगा। प्रधानमंत्री सरकार के मुखिया हैं, गृह मंत्री नहीं। प्रधानमंत्री को सदन में उपस्थित रहना चाहिए और उन्हें दलीलों का सामना करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि भाजपा विपक्ष को सरकार और प्रधानमंत्री को जवाबदेह ठहराने की अपनी जिम्मेदारी से वंचित करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि अब अविश्वास प्रस्ताव के दौरान मणिपुर हिंसा का मुद्दा उठाया जाएगा और मोदी को इसका जवाब देना होगा।

राजा ने लगातार दूसरे संसद सत्र के ठप होने के लिए सत्तारूढ़ भाजपा को जिम्मेदार ठहराया। बजट सत्र ठप हो गया, क्योंकि भाजपा ने अडाणी मुद्दे पर संयुक्त संसदीय समिति से जांच की विपक्ष की मांग को स्वीकार करने से इन्कार कर दिया।

बेंगलूरु: आतंकी गिरफ्तारी मामले में मास्टरमाइंड की तलाश जारी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। बेंगलूरु में सीसीबी पुलिस ने राज्य के भीतर आतंकवादी कृत्यों की तैयारी से जुड़े एक मामले की जांच में महत्त्वपूर्ण प्रगति की है। उसने लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) संगठन के सदस्य मोहम्मद जुनैद के बारे में जानकारी उजागर की है, जो विदेश में छुपा हुआ था।

यह खुलासा हुआ है कि जुनैद की महिला मित्र भी थी। हालांकि, मामला सामने आते ही उसने खुद को उससे दूर कर लिया। सूत्र बताते हैं कि हाल तक वह उसके संपर्क में था। जांच में जुनैद की मध्य एशियाई या यूरोपीय देश में मौजूदगी की ओर इशारा किया गया है। संबंधित घटनाओं में, दो अन्य व्यक्ति यानी पाकिस्तान में जन्मे लश्कर-ए-तैयबा के सदस्य मोहम्मद फहद कोया और भारतीय विज्ञान संस्थान विस्फोटों के संदिग्ध अफार पाशा, वर्तमान में परप्पाग्रहरा जेल में हैं। ये व्यक्ति अब्दुल रहमान नाम के एक उपद्रवी को आतंकवादी संगठन में शामिल होने के लिए उकसा रहे थे, जिसे पहले साल 2011 में जेल में डाल दिया गया था। जांच से पता चला है कि रहमान को बर्बरता की साजिश रचने के आरोप में साल 2012 में जेल से रिहा होने के बाद आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने के कारण फिर से गिरफ्तार कर लिया गया था।

जबरन वसूली गिरोह का सरगना गिरफ्तार, आतंकी संबंधों को लेकर हो रही पूछताछ

चेन्नई/दक्षिण भारत। शहर के एक व्यवसायी से दो करोड़ रुपए की उगाही करने वाले गिरोह के कथित मास्टरमाइंड 45 वर्षीय व्यक्ति को आखिरकार चेन्नई हवाईअड्डे पर गिरफ्तार कर लिया गया। सूत्रों ने कहा कि आरोपी तौफीक, जिसे कोलंबो से शहर आने पर पहचाना गया और हिरासत में लिया गया, अब राज्य और केंद्रीय एजेंसियां कुछ संदिग्ध आतंकवादी संगठनों के साथ कथित संबंधों के लिए उससे पूछताछ कर रही हैं।

सूत्रों के मुताबिक, तौफीक हैदराबाद के अबू हम्सा का करीबी सहयोगी था, जो मुस्लिम डिफेंस फोर्स के पीछे मुख्य व्यक्ति था। सूत्रों ने बताया कि तौफीक मनिथर काची नाम की एक पार्टी और इराइवन ओरुवेन नामक एक संगठन भी चलाता है।

बता दें कि 17 अगस्त, 2020 की आधी रात के आसपास, सेवन वेल्स के दीवान अकबर एक दोस्त के घर से घर लौट रहे थे, तभी एक कार में सवार चार लोगों ने उन्हें रोक लिया। उन्होंने खुद को प्रमुख जांच एजेंसी का अधिकारी बताया और अकबर को पूछताछ के लिए अपने साथ चलने के लिए मजबूर किया।

उन्हें अपने वाहन में बांधकर ट्रिप्लिकेन की ओर ले गए। जब वे बेल्स रोड पर थे तो एक अन्य व्यक्ति कार के अंदर आ गया। वहां से वे ईस्ट कोस्ट रोड की ओर गए। जल्द ही, अकबर की आंखों पर पट्टी बांध दी गई और उसे एक कमरे में ले जाया गया, जहां उसे कैद कर दिया गया। वहां, तौफीक और उसके सहयोगियों ने कथित तौर पर अकबर को यह स्वीकार करने के लिए धमकाया कि वह नशीले पदार्थों की तस्करी सहित कई अपराधों में शामिल था। उन्होंने उसके 'कबूलनामे' की वीडियोग्राफी की और कथित तौर पर उससे कहा कि उन्हें उसे मारने और इसे मुठभेड़ का रूप देने का निर्देश दिया गया है। इन युक्तियों से उसे डराने के बाद, गिरोह ने कहा कि वे उसे जाने देने को तैयार हैं, लेकिन केवल तभी, जब वह उन्हें अच्छा भुगतान करे। फिरौती की रकम 3 करोड़ रुपये तय हुई थी। फिर उन्होंने अकबर को फिरौती जुटाने और भुगतान करने की व्यवस्था करने के लिए फोटो के जरिए अपने परिवार से बात करने की अनुमति दी।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया Union Bank of India
भारत सरकार का उपक्रम A Government of India undertaking

क्षेत्रीय कार्यालय - कांचीपुरम
नं. 168, लिंगी चेट्टी स्ट्रीट,
पैरीज़ कॉर्नर, जॉर्ज टाउन,
चेन्नई - 600001

लीज(पट्टे) पर परिसर की जरूरत

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को **सलामेडु शाखा को स्थानांतरित** करने के लिए प्रस्तावित वैकल्पिक परिसर के वास्ते अच्छी तरह से निर्मित वाणिज्यिक परिसर की जरूरत है, जो तैयार कब्जे में हो या निर्माणाधीन हो, विशेषकर **भूतल पर**, जिसका फ्रंटेज अच्छा हो, मुख्य सड़क के सामने हो, अच्छी दृश्यता हो और **किराए/पट्टे के आधार पर** पर्याप्त पार्किंग स्थान और अन्य सुविधाएं हों। मकान मालिक को अपनी लागत पर आरबीआई विनिर्देश के अनुसार स्ट्रॉन्ग रूम का निर्माण कराना चाहिए। अधिक जानकारी के लिए कृपया बैंक की वेबसाइट पर जाएं। उपर्युक्त सुविधा वाले परिसर की जरूरत सलामेडु, विल्लुपुरम जिले में विल्लुपुरम और उसके आसपास है तथा विवरण इस प्रकार है:

शाखा का नाम	कार्पेट एरिया चाहिए (स्ट्रॉन्ग रूम एरिया को शामिल करते हुए)
सलामेडु, विल्लुपुरम जिला	1400 वर्ग फीट ± 10%

मालिकों की ओर से स्वामित्व या बातचीत करने की शक्ति रखने वाले भावी मकान मालिक तकनीकी बोली/मूल्य बोली प्रारूप यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, क्षेत्रीय कार्यालय कांचीपुरम, वर्तमान में लिंगी चेट्टी स्ट्रीट, पैरीज़ कॉर्नर, चेन्नई-600001 से कार्यालय समय के दौरान प्राप्त कर सकते हैं या वेबसाइट www.unionbankofindia.co.in या https://eprocure.gov.in से डाउनलोड कर सकते हैं तथा उन्हें अपनी तकनीकी बोलियां और मूल्य बोलियां दो अलग-अलग सीलबंद लिफाफों में प्रस्तुत करनी होंगी, जिन पर तकनीकी/मूल्य बोली लिखा हो, दोनों को तीसरे लिफाफे में रखा गया हो, जिस पर लीज/किराए के आधार पर सलामेडु-विल्लुपुरम में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया शाखा के परिसर के लिए प्रस्ताव लिखा हो, **18.08.2023 को अपराह्न 3.00 बजे** तक या उससे पहले यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, क्षेत्रीय कार्यालय कांचीपुरम, नंबर 168, लिंगी चेट्टी स्ट्रीट, पैरीज़ कॉर्नर, चेन्नई-600001 में जमा करानी चाहिएं। तकनीकी बोलियां **18.08.2023 को शाम 4.00 बजे** उपर्युक्त पते पर मकान मालिक/उनके प्रतिनिधियों की उपस्थिति में खोली जाएंगी। दलालों या बिचौलियों पर विचार नहीं किया जाएगा। सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों या सरकारी/अर्ध सरकारी निकायों द्वारा लीज पर दी जाने वाली संपत्ति को प्राथमिकता दी जाएगी। बैंक बिना कोई कारण बताए प्रस्तावों को स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।
क्षेत्रीय प्रमुख

सिद्दरामैया और डीके शिवकुमार ने कांग्रेस के भीतर किसी भी असंतोष से इनकार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बाली/बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर किसी प्रकार का असंतोष होने से इंकार किया है। सिद्दरामैया और शिवकुमार का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब ऐसी खबरें आ रही हैं कि 30 से अधिक विधायकों ने अपने निर्वाचन क्षेत्रों में विकास कार्यों का कार्यान्वयन न होने पर चिंता व्यक्त की है। दोनों नेताओं ने कहा कि इस तरह की कोई शिकायत नहीं आई है।

सिद्दरामैया और शिवकुमार ने कहा कि सरकार के विभिन्न कार्यक्रमों और नीतियों पर चर्चा करने तथा सरकार और पार्टी विधायकों के बीच समन्वय सुनिश्चित करने के लिए एक नियमित अभ्यास के हिस्से के रूप में बृहस्पतिवार को विधायक दल की बैठक बुलाई गई है। प्रदेश में सत्तारूढ़ दल के 30 विधायकों के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर मंत्रियों की कार्यप्रणाली एवं विकास कार्य नहीं होने की शिकायत के बारे में सिद्दरामैया ने पूछा, आपको किसने बताया? मुख्यमंत्री ने बताया कि उन्होंने पिछले सप्ताह ही विधायक दल की एक बैठक बुलाई थी, लेकिन चूंकि, कांग्रेस नेता राहुल गांधी एक बैठक की अध्यक्षता करने वाले थे, इसलिए इसे स्थगित कर दिया गया था। सिद्दरामैया ने कहा कि इसलिए उन्होंने बृहस्पतिवार को एक बार फिर बैठक बुलाई है। सिद्दरामैया ने कहा, हम वहां इस पर चर्चा करेंगे। सरकार बने अभी दो महीने ही हुए हैं। विधायक दल की बैठक बुलानी ही थी इसलिए मैंने बुलाई। (मंत्रियों के खिलाफ) कोई शिकायत नहीं है।

उन्होंने (विधायकों ने) विधायक दल की बैठक बुलाने को कहा था, इसलिए बैठक बुलाई है। हालांकि, शिवकुमार के उन दावों के बारे में मुख्यमंत्री ने कोई टिप्पणी नहीं की, जिसमें शिवकुमार ने कहा था कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार को गिराने के लिए सिंगापुर में साजिश रची जा रही है। उन्होंने कहा, सिंगापुर के बारे में, आप उनसे पूछें। मुझे इसके बारे में नहीं पता, डी के शिवकुमार से पूछें। उपमुख्यमंत्री शिवकुमार के इस दावे से सोमवार को राजनीतिक जगत में हलचल मच गई थी। खबरों के अनुसार कांग्रेस के विधायकों ने मुख्यमंत्री और पार्टी नेतृत्व से शिकायत की है कि वे अपने निर्वाचन क्षेत्रों में काम नहीं करवा पा रहे हैं। शिवकुमार ने ऐसी खबरों को फर्जी और महज अटकलें करार दिया है।

शिवकुमार ने संवाददाताओं से कहा, यह सब झूठ है, किसी ने ऐसा पत्र नहीं लिखा है। मुख्यमंत्री और मैंने सभी मंत्रियों से सभी विधायकों और सभी निर्वाचन क्षेत्रों के हारे हुए उम्मीदवारों को विश्वास में लेकर काम करने का अनुरोध किया है। सभी अपना काम कर रहे हैं। ये महज अटकलों के अलावा कुछ नहीं है। उपमुख्यमंत्री ने कहा, कुछ कार्यक्रम हैं, जिन पर चर्चा होनी थी, विधानसभा सत्र था। हमारी पांच गारंटी योजनाएं लोगों तक पहुंच रही हैं या नहीं, कहीं भ्रष्टाचार तो नहीं हो रहा है, इन सबके संबंध में हमें अपने विधायकों को चर्चा करनी थी, मार्गदर्शन देना था और जानकारी देनी थी। विधानसभा सत्र के दौरान समय नहीं मिलने के कारण इन सभी मुद्दों पर चर्चा करने के लिए विधायक दल की बैठक नहीं बुलाई जा सकी थी।

कर्नाटक में लोकसभा चुनाव मिलकर लड़ने के लिए बातचीत कर रहे भाजपा और जद(एस), कांग्रेस 15 से 20 सीट जीतेगी : सिद्दरामैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुबली (कर्नाटक)/भाषा। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने मंगलवार को दावा किया कि 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव मिलकर लड़ने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल (सेकुलर) बातचीत कर रही हैं। उन्होंने साथ ही दावा किया कि भले वे एकसाथ चुनाव लड़े या नहीं लड़े, कांग्रेस निश्चित तौर पर राज्य की 15 से 20 लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज करेगी।

कर्नाटक में 28 लोकसभा सीटें हैं। लोकसभा चुनाव से पहले जद (एस) के एनडीए में शामिल होने की अटकलें लगाई जा रही हैं। सिद्दरामैया ने भाजपा और जद(एस) के एकजुट होने की संभावना के सवाल के जवाब में कहा, मुझे इस चर्चा की ज्यादा जानकारी नहीं है। अगर वे एकजुट होते हैं तो भी हमें चिंता की जरूरत नहीं है। हम (कांग्रेस)

इस बार कर्नाटक में निश्चित रूप से 15-20 सीटें (लोकसभा) जीतेंगे। जद (एस) नेता और पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने 21 जुलाई को कहा था कि उनकी पार्टी ने राज्य के हित में विपक्ष के रूप में भाजपा के साथ मिलकर काम करने का फैसला किया है।

भाजपा ने 2019 के लोकसभा चुनावों में 25 सीटों पर जीत हासिल की थी, जबकि उसके समर्थित निर्दलीय ने एक सीट जीती थी। वहीं, कांग्रेस और जद(एस) को एक-एक सीट से ही संतोष करना पड़ा। मई में हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने 224 में से 135 सीट हासिल की थी, जबकि भाजपा को 66 और जद (एस) को 19 सीटें मिली थीं।

भारत सरकार
अंतरिक्ष विभाग
निर्माण एवं अनुरक्षण समूह (सीएमजी)
इसरो मुख्यालय, अंतरिक्ष भवन,
न्यू बी ई एल रोड, बेंगलूरु-560094
फोन : 080-22172033/2032/2476 फैक्स : 080-23513126

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, निम्नलिखित कार्यो के लिए नग दर ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित किया जाता है।

कार्य का नाम :	इसरो मुख्यालय, अंतरिक्ष भवन, बेंगलूरु में मौजूदा एसी स्टोर का केंद्रीकृत यूपीएस कक्ष और एसी स्टोर के लिए अस्थायी शेड का नवीनीकरण।
निविदा सूचना क्रमांक	सीएमजी/आईएसआरओ-एचक्यू/सी/सी/05/पी/2023-24 दिनांक 25.07.2023
निविदा का अनुमानित मूल्य	रु. 13.08 लाख
पूरा करने की अवधि	तीन (03) महीने
निविदा प्रलेख डाउनलोड करने की अवधि	25.07.2023 को 18.10 बजे से 06.08.2023 को 23.59 बजे तक
निविदा प्राप्ति की अंतिम तारीख और समय	08.08.2023 को 14.30 बजे तक
निविदा खोलने की नियत तारीख और समय	08.08.2023 को 16.00 बजे से
अग्रदाय रकम जमा (ईएमडी)	रु. 26,160/-

पात्रता मानदंड और अन्य ब्यौरे के लिए इच्छुक निविदाकार विस्तृत सूचना आमंत्रण निविदा (एनआईटी) देखे जिसे वेबसाइट www.isro.gov.in/tender से डाउनलोड किया जा सकता है। बोली प्रपत्र औप अन्य ब्यौरे वेबसाइट www.tenderwizard.com/ISRO से डाउनलोड किए जा सकते हैं।
ह/- समूह प्रमुख, सीएमजी, इसरो मुख्यालय

नहीं सहेगा राजस्थान अभियान - एक अगस्त को जयपुर में लाखों भाजपाई घेरेंगे सचिवालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । प्रदेश की कांग्रेस सरकार के साढे चार वर्ष के भ्रष्ट, अराजक, जंगलराज और कुशासन के खिलाफ भाजपा द्वारा चलाए जा रहे ''नहीं सहेगा राजस्थान'' अभियान के तहत पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी और प्रदेश उपाध्यक्ष नारायण पंचारिया ने भाजपा प्रदेश कार्यालय पर प्रेसवार्ता को संबोधित किया। इस दौरान ''नहीं सहेगा राजस्थान'' अभियान में आयोजित सभी कार्यक्रमों की रूपरेखा और एक अगस्त को जयपुर में होने वाले सचिवालय घेराव की तैयारियों पर मुख्य रूप से संबोधित किया गया। प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी ने कहा कि गहलोत सरकार के इन साढे चार सालों में केवल कुर्सी की लडाई चली है। प्रदेश का आमजन आज गहलोत सरकार के कुशासन से तंग है। साढे चार साल के इसी कुशासन के खिलाफ भाजपा ने ''नहीं सहेगा राजस्थान'' अभियान को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा ने लाँच किया था। इस अभियान में कुशासन, बदहाल कानून व्यवस्था, पेपर लीक, युवाओं से वादाखिलाफी, किसानों से कर्जमाफी के नाम पर वादाखिलाफी, महिला उत्पीडन और असुरक्षा, दलित और आदिवासी उत्पीडन, तुष्टीकरण और भ्रष्टाचार इन नौ मुद्दों को लेकर प्रदेशभर में मुहिम चलाई जा रही है। आगामी एक अगस्त को जयपुर में विशाल सचिवालय घेराव होगा जिसमें प्रदेश से लाखों की संख्या में लोग जयपुर पहुंचेगे।

पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी ने कहा कि एनसीआरबी के अनुसार आज प्रदेश अपराध में शीर्ष पर है। मुख्यमंत्री कहते हैं कि प्रत्येक मामले में एफआईआर दर्ज करना सरकार की प्राथमिकता है। जबकि हिंडौन के नादौती में एक दलित युवती से दुष्कर्म कर हत्या की घटना पर भाजपा के राज्यसभा सांसद किरोडी लाल मीणा धरने पर बैठे तब जाकर मुकदमा दर्ज किया गया। जयपुर में पुलिस कमिशनरेट से महज तीन किलोमीटर दूर बदमाश घर में घुसकर परिवार से मारपीट करते हैं। गहलोत सरकार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आयुष्मान योजना के लाभार्थियों का चिरंजीवी योजना में पुनः पंजीकरण किया। । जबकि एक करोड से अधिक लोग जो एनएफएसए में रजिस्टर्ड थे उन्हे आयुष्मान योजना का पहले से ही लाभ मिल रहा था। जो एनएफएसए में नहीं थे उनसे 850 रूपए लेकर चिरंजीवी योजना में जोडने से कैसे लाभ मिलता। किसानों से कर्जमाफी का झूंठा वादा किया, जिसके चलते 19 हजार से ज्यादा किसानों की जमीनें नीलाम हो गई। प्रदेश में किसानों ने कर्ज से तंग आकर आत्महत्या कर ली।

अरूण चतुर्वेदी ने कहा कि पडौसी राज्य हरियाणा में बाजरे का समर्थन मूल्य 2200 रूपए है, जबकि राजस्थान में वही बाजरा 1300-1400 रूपए में खरीदा जा रहा है। लंपी वायरस के दौरान प्रदेश के सभी पीडित पशुपालकों को मुआवजा देने का वादा किया था, लेकिन महज 41 हजार लोगों को मुआवजा देकर इतीश्री कर ली। रीट पेपर लीक प्रकरण से पूर्व में राजीव गांधी स्टडी सर्किल के अध्यक्ष से पेपर छपवाने का घोटाला हो चुका है। उसके बाद माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डीपी जारोली ने कहा कि यदि मुझे छेडा गया तो बडे लोगों के चेहरे बेनकाब कर दूंगा। इसके बाद सरकार डर गई और ईडी की जांच में जारोली पर कोई आंच नहीं आ पाई। विधायक भरत सिंह ने गहलोत सरकार को खान घोटाले पर लेटर हैड को उल्टा करके पत्र लिखा। सरकार के मंत्री रहे राजेन्द्र सिंह गुढा विधानसभा में खडे होकर खुद की सरकार के भ्रष्टाचार और महिला अत्याचार के खिलाफ बोलते हैं। गुढा ने लाल डायरी में सरकार के काले चिट्ठे होने और भ्रष्टाचार के कारनामें छिपे होने का दावा किया है। चतुर्वेदी ने ई-रिक्शा चालकों की नागरिकता, ठेले वालों को वेंडर जोन में लेने, मंत्री खाचरियावास के भतीजे द्वारा होटल में तोडफोड और महेश जोशी के बेटे पर दुष्कर्म के आरोपों को लेकर भी सरकार पर गंभीर आरोप लगाए।

मुलाकात

जयपुर में मंगलवार को जन संवाद केंद्र पर रैगर समाज के प्रतिनिधि मंडल से मुलाकात करते पूर्व भाजपा अध्यक्ष सतीश पूनिया।

जनता जानना चाहती है कि लाल डायरी में क्या है और सरकार क्यों घबरा रही है? : पूनिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया ने सोमवार को सवाल किया कि कांग्रेस सरकार लाल डायरी को लेकर चिंतित क्यों है। उन्होंने कहा कि न सिर्फ राजस्थान बल्कि पूरे देश में इस बात को लेकर उत्सुकता है कि उस लाल डायरी में क्या है और इसका खुलासा होना चाहिए। उन्होंने विधानसभा भवन में संवाददाताओं से बातचीत में कहा, ''देश की जनता जानना चाहती है कि लाल डायरी में क्या है और सरकार क्यों घबरा रही है।'' भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस सरकार किसानों की कर्ज माफी का वादा तोड़ने की दोषी है और कांग्रेस शासन में भ्रष्टाचार तथा बेरोजगारी चरम पर है।

उन्होंने कहा कि राज्य में महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़े हैं और राज्य के लोगों ने पांच साल तक कांग्रेस सरकार के कुशासन को झेला है। उल्लेखनीय है कि बर्खास्त मंत्री राजेंद्र गुढ़ा सोमवार को सदन में एक लाल डायरी विधानसभा अध्यक्ष को पेश करना चाहते थे। इस दौरान सदन में अभूतपूर्व हंगामा देखने को मिला। गुढ़ा ने बाद में विधानसभा के बाहर संवाददाताओं से कहा कि लाल डायरी में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की सरकार के वित्तीय लेनदेन का विवरण है।

अध्यापक को हनीट्रैप में फंसाने वाली महिला गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भीलवाड़ा। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में होटल में साथ रात बिताने का झांसा देकर सरकारी अध्यापक को हनीट्रैप में फंसाने वाली महिला को गंगापुर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। महिला ने अपने साथियों के साथ मिलकर अध्यापक को सुनसान क्षेत्र में ले जाकर पीटा था। साथ ही उसके अश्लील वीडियो उतारकर उससे पैसे लूट लिए थे। मार्च माह में टीचर द्वारा रिपोर्ट दर्ज करवाने के बाद से ही पुलिस इस मामले की जांच कर रही थी। थाना प्रभारी नरेंद्र जैन ने बताया कि 18 मार्च को काला डूंडा निवासी अध्याक भंवरसिंह चुंडावत ने आशा जाट नाम की महिला के खिलाफ हनीट्रैप में फंसाने की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। रिपोर्ट में बताया कि 16 मार्च को वह भीलवाड़ा हॉस्पिटल में भर्ती मौसी से मिलने गया था। इस दौरान आशा जाट का फोन आया और शहर की एक होटल में साथ में रात गुजारने का ऑफर दिया। भंवरसिंह जब अपनी गाड़ी लेकर आशा के पास चित्तौड़गढ़ चौराहे पर गया, वहां आशा एवं उसके तीन साथियों ने उसे अगवा कर लिया और सुनसान क्षेत्र में ले जाकर उससे मारपीट की। उसके कपड़े उतार कर वीडियो उतारे। इसके बाद उसके मोबाइल से 76 हजार रुपए ट्रांसफर किए और उसकी कार की चाबी एवं खाली चेक पर साइन ले लिए। पुलिस ने पीड़ित भंवरसिंह द्वारा दिए गए साक्ष्य की जांच करने के बाद सोमवार को उसे गिरफ्तार कर लिया और न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया।

कार और बस की भिड़ंत में मां-बेटे सहित तीन की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के बीकानेर जिले के बज्जू थाना क्षेत्र में सोमवार को एक कार और निजी बस की भिड़ंत में कार में सवार मां-बेटे और बहू की मौत हो गई, वहीं दो बच्चे सहित तीन अन्य लोग घायल हो गये। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस के सहायक उपनिरीक्षक बीरबल राम ने मंगलवार को बताया कि बीकानेर में कार्यरत अभियंता राजेश दायमा (38), पत्नी ऋतु (35), मां कमला (65), पिता मुक्तिराम (68), बच्चे दिव्यांशु (7) और बेबी (5) के साथ रामदेवरा जा रहे थे। राम ने बताया कि इसी दौरान इंदिरा गांधी नहर पर उनके कार की निजी बस से भिड़ंत हो गयी।

उन्होंने बताया कि हादसे में राजेश दायमा (38) उनकी पत्नी ऋतु (35) और मां कमला (65) की मौत हो गई, जबकि पिता और दोनों बच्चों को उपचार के लिये बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में भर्ती करवाया गया है उन्होंने बताया कि मंगलवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिये गये। इस संबंध में बस चालक के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 279, 3370, 304 (ए) के तहत मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

राजस्थान राज्य तेली घाणी विकास बोर्ड का गठन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार ने तेली समुदाय के सामाजिक, शैक्षणिक एवं आर्थिक उन्नति के लिए 'राजस्थान राज्य तेली घाणी विकास बोर्ड' का गठन किया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की मंजूरी के बाद सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा गठन का आदेश जारी कर दिया गया है। यह बोर्ड समुदाय के उत्थान में नवीन योजनाएं बनाकर, समस्याओं की पहचान कर सुझाव राज्य सरकार को प्रस्तुत करेगा। बोर्ड तेली घाणी के संरक्षण एवं संवर्धन के साथ युवाओं को कौशल विकास प्रशिक्षण, उद्यमिता संवर्धन, रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने, बोर्ड सम्बन्धित बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा करने, अन्य राज्यों के उपयोगी अनुभवों की जानकारी साझा करने, विभिन्न विभागों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों की मॉनिटरिंग सहित अन्य कार्य करेगा।

बोर्ड में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष तथा तीन सदस्य सहित पांच गैर सरकारी सदस्य होंगे। साथ ही उद्योग विभाग, स्कूल शिक्षा (प्राथमिक/माध्यमिक) एवं संस्कृत शिक्षा विभाग, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग, श्रम एवं रोजगार विभाग और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव/प्रमुख शासन सचिव/शासन सचिव अथवा उनके प्रतिनिधि, संयुक्त निदेशक स्तर के विभागीय अधिकारी (कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता विभाग), राजस्थान स्वर्ण कला विकास बोर्ड सचिव के बोर्ड में सरकारी सदस्य के रूप में होंगे।

राजस्थान राज्य अन्य पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास सहकारी निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक अथवा उनका प्रतिनिधि विशेष आमंत्रित सदस्य होंगे। वहीं कौशल नियोजन एवं उद्यमिता विभाग के संयुक्त निदेशक स्तरीय अधिकारी बोर्ड में सचिव के रूप में कार्य करेंगे।

खुद की राइफल से गोली चलने से सिपाही की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चित्तौड़गढ़। राजस्थान में चित्तौड़गढ़ जिले के भैंसरोड़गढ़ थाने में पदस्थ एक सिपाही की आज सुबह खुद की राइफल से चली गोली से संदिग्ध मौत हो गई है। पुलिस अधिकारी मौके पर है और जांच कर रहे हैं। प्राप्त जानकारी अनुसार सुबह करीब छह बजे भैंसरोड़गढ़ थाने के वायरलेस रूम में गोली चलने की आवाज सुनकर वहां मौजूद अन्य पुलिसकर्मी पहुंचे तो पहरे पर तैनात करौली निवासी सिपाही चैतराम गुर्जर का रक्तरंजित शव पड़ा हुआ था। सूचना मिलने पर थानाधिकारी मोहरसिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रावतभाटा सुभाष मिश्रा पहुंचे और सिपाही को अस्पताल पहुंचाया जहां पर उसे मृत घोषित कर दिया गया। परिजनों के साथ पुलिस अधीक्षक को भी सूचना दे दी गई। जिला पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत पहुंच गये साथ ही विधि विज्ञान की टीम एवं डॉग स्क्वाड भी पहुंची। पुलिस अधिकारी थाने में लगे सीसीटीवी की रिकारिृडंग देख रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि अभी कुछ नहीं कहा जा सकता है कि उसने आत्महत्या की है या गलती से गोली चलने से उसकी मौत हुई है। पोस्टमार्टम परिजनों के आने के बाद किया जाएगा। वहीं अन्य साथी पुलिसकर्मी बता रहे हैं कि मृतक सिपाही थानाधिकारी मोहरसिंह से प्रताड़ित था। फिलहाल जांच की जा रही है।

अब ऋण स्वीकृति हेतु सरकारी कार्मिकों की गारंटी की नहीं होगी आवश्यकता : टीकाराम जूली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर।' सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री टीकाराम जूली ने मंगलवार को यहाँ नेहरू सहकार भवन स्थित सभागार में राजस्थान अनुसूचित जाति जनजाति वित्त एवं विकास सहकारी निगम लिमिटेड (अनुजा निगम) के वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए ऋण आवेदन पत्र ऑनलाइन भरने हेतु पोर्टल का शुभारम्भ किया। उन्होंने कहा कि ऋण के लिए अब सरकारी कार्मिकों की गारंटी की आवश्यकता नहीं होगी। उन्होंने इस सम्बंध में सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिये। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन पोर्टल पर जरूरतमंद व्यक्तियों को 50 हजार रुपये से लेकर 10 लाख रुपये तक का ऋण स्वीकृत किया जाता है। निगम द्वारा 12 हजार से अधिक व्यक्तियों को लगभग 200 करोड़ रुपये से अधिक का ऋण वितरित किया जाने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि आज से वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, सफाई कर्मचारी, विशेष योग्यजन एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के व्यक्ति ऋण हेतु ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। पोर्टल पर अब सारा डाटा जनाधार से फेच किया जाता है।

जूली ने कहा कि पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करने से पारदर्शिता आएगी। आज सूचना तकनीक के युग में वंचित एवं जरूरतमंद वर्ग को पेंशन, छात्रवृति आदि सुविधाएं सीधे उनके खाते में मिल रही है। राज्य सरकार लगभग 94 लाख पेंशनर्स को सामाजिक सुरक्षा पेंशन दे रही है और ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से महज 2 मिनट में पेंशन स्वीकृत हो रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा प्रत्येक वर्ग के विकास एवं उत्थान हेतु विभिन्न कोषों का भी गठन किया गया है। विभाग द्वारा लगभग सवा करोड़ से अधिक लोगों को विभिन्न योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है।

इस अवसर पर राजस्थान राज्य अन्य पिछडा वर्ग वित्त एवं विकास आयोग के अध्यक्ष पवन गोदारा ने कहा कि अनुजा निगम एक चौनेलाइजिंग एजेंसी है जिसका प्रमुख कार्य राजस्थान में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, निःशक्तजन एवं सफाई कर्मचारी, अन्य पिछड़ा वर्ग के सदस्यों का आर्थिक विकास एवं उनकी उन्नति में सहायता करना है ताकि इन वर्गों के सदस्यों का जीविकोपार्जन सही ढंग से हो सके तथा उनके रहन-सहन के स्तर में सुधार हो सके।

राजस्थान स्टेट गैस ने लागू की स्वास्थ्य, सुरक्षा व पर्यावरण संरक्षण नीति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य सरकार के संयुक्त उपक्रम राजस्थान स्टेट गैस ने अपने कार्यालय परिसरों, अधिकृत भौगालिक क्षेत्रों के सीएनजी स्टेशनों, शहरी गैस वितरण परियोजना क्षेत्र के साथ ही व्यवसाय कार्यान्वयन क्षेत्रों में स्वास्थ्य, सुरक्षा व पर्यावरण संरक्षण के उच्चतम स्तर को बनाए रखने के लिए स्वास्थ्य, सुरक्षा व पर्यावरण नीति का क्रियान्यन शुरु किया है। आरएसजीएल के प्रबंध निदेशक रणवीर सिंह ने बताया कि आरएसजीएल अपने कार्मिकों, स्टेक होल्डर्स व कार्यक्षेत्र में स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि एचएसई नीति के अनुसार सेवा क्षेत्र में हानि के स्तर को भी न्यूनतम स्तर पर रखा जाएगा।

एमडी आरएसजीएल रणवीर सिंह ने बताया कि संस्थान सामाजिक सुरक्षा व पर्यावरण संरक्षण के उच्च मापदंडों की पालना के लिए संकल्पित है। आरएसजीएल द्वारा जयपुर, कोटा, नीमराणा, कूकस, ग्वालियर और श्योपुर में व्यावसायिक गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि दो मदर स्टेशन सहित 11 सीएनजी स्टेशन संचालित किए जा रहे हैं। सिंह ने बताया कि आरएसजीएल के सभी कार्मिकों को स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण के संबंध में उपलब्ध सर्वोत्तम प्रक्रियाओं का प्रशिक्षण दिलाया जाएगा। इसके साथ ही नीति क्रियान्वयन की नियमित मोनिटरिंग के साथ ही ऑडिट की व्यवस्था भी होगी। डीजीएम मार्केटिंग विवेक रंजन और डीजीएम सीएनपी विवेक वास्तव ने बताया कि आरएसजीएल की एचएसई नीति के सफल क्रियान्वयन की जिम्मेदारी संस्थान के सभी स्तर के कार्मिकों को सौंपी गई है।

मुलाकात

जयपुर में मंगलवार को अपने आवास पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मुलाकात करते कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा।

सांसद दिया कुमारी ने की रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात

जयपुर/दक्षिण भारत। राजसमंद सांसद दिया कुमारी ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव से मुलाकात कर लोकसभा क्षेत्र में रास से बिलाड़ा एवं मेड़ता से पुष्कर रेलवे लाइनों की जल्द स्वीकृति के लिए आग्रह किया। मुलाकात के दौरान सांसद ने मावली मारवाड़ लाइन के कार्य को तेज गति से पूर्ण करने के लिए आग्रह किया।

वार्ता के दौरान केंद्रीय रेल मंत्री वैष्णव ने बताया कि सर्वे रिपोर्ट आ चुकी है एवं रेलवे बोर्ड उनका परीक्षण कर रहा है। शीघ्र ही इस बारे में आगे की कार्रवाई की जाएगी। सांसद ने लोकसभा क्षेत्र के डेगाना, रेन मेड़ता रोड, ब्यावर, सेंदड़ा, गोटन स्टेशनो पर कुछ प्रमुख गाड़ियों के ठहराव के साथ लोकसभा क्षेत्र के मेड़ता, डेगाना इत्यादि क्षेत्रों को पवित्र धाम खाटूश्यामजी से जोड़ने के लिए एक नई रेल सेवा चालू करने का भी आग्रह किया। केंद्रीय मंत्री ने सभी विषयों पर सकारात्मक रूप से कार्यवाही करने का आश्वासन दिया।

आयुष्मान भारत के कारण लाभार्थियों को हुई बचत : सरकार

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने मंगलवार को कहा कि आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत लक्षित लाभार्थियों के अस्पताल में भर्ती होने की स्थिति में खर्च में कमी आई है। स्वास्थ्य राज्य मंत्री एस पी सिंह बघेल ने राज्यसभा को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार की इस महत्वाकांक्षी स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत पिछले दो साल में 3.14 करोड़ लोगों को लाभ पहुंचा है। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा जिन लाभार्थियों को सहायता दी गई उनमें सबसे अधिक संख्या उत्तर प्रदेश की है और सबसे कम लक्षद्वीप में है।

बघेल ने कहा कि गुजरात में आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना को राज्य की मुख्यमंत्री अमृतम् को मिलाकर लागू किया जा रहा है। उन्होंने गुजरात में 19 जुलाई 2023 तक 8,564 करोड़ रुपए के खर्च से 41.34 लाभार्थियों के अस्पताल में भर्ती होने को मंजूरी दी गई है। उन्होंने बताया कि 2022-23 के लिए केंद्र के हिस्से के 6048 करोड़ रुपए राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में इस योजना को लागू करने के लिए जारी किए गए। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में मंत्री ने कहा कि आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना विश्व की सार्वजनिक कोष से चलाई जाने वाली सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना है। इस योजना का लक्ष्य 12 करोड़ परिवारों को अस्पताल में भर्ती कराए जाने की स्थिति में पांच लाख रुपए तक प्रति परिवार सहायता मुहैया कराना है।

खाद्य पदार्थों की कीमतों, मांग-आपूर्ति पर सरकार की नजर : कृषि राज्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री कैलाश चौधरी ने मंगलवार को कहा कि सरकार सभी आवश्यक खाद्य पदार्थों की कीमतों के साथ-साथ मांग-आपूर्ति की स्थिति पर करीबी नजर रख रही है। उन्होंने कहा कि सरकार उपभोक्ताओं और किसानों दोनों के हितों को संतुलित रखने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार ने कीमतों और उपलब्धता की स्थिति की नियमित निगरानी के लिए एक समिति का गठन किया है।

चौधरी ने खाद्य मुद्रास्फीति और गैर-बासमती सफेद चावल पर हाल के निर्यात प्रतिबंध के बारे में एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, सरकार खाद्य पदार्थों की कीमतों और उपलब्धता की निगरानी कर रही है। सरकार घरेलू उपलब्धता को बढ़ाने और कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए उपाय करती है। वह भारतीय डाक के सहयोग से मोटे अनाज पर आईटीसी के डाक टिकट की पेशकश करने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मांग-आपूर्ति की स्थिति और खुदरा कीमत के आधार पर सरकार निर्यात शुल्क लगाने या निर्यात रोकने का फैसला करती है। मंत्री ने कहा कि देश में खाद्य पदार्थों की आपूर्ति के मोर्चे पर कोई समस्या नहीं है। चौधरी ने कहा, सरकार उपभोक्ताओं और किसानों दोनों के हित को देखती है और संतुलन बनाने की कोशिश करती है।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, जून में खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति 4.49 प्रतिशत थी, जो मई के 2.96 प्रतिशत से अधिक है। खाद्य वस्तुओं का सीपीआई (उपभोक्ता मूल्य सूचकांक) में लगभग आधा हिस्सा होता है। आंकड़ों से पता चला कि मसालों के मामले में मूल्यवृद्धि की वार्षिक दर 19.19 प्रतिशत, अनाज और उत्पादों' में 12.71 प्रतिशत, दालों और उत्पादों' में 10.53 प्रतिशत और अंडे में सात प्रतिशत थी। सालाना आधार पर जून में फल भी थोड़े महंगे रहे। हालांकि, तेल और वसा' (-18.12 प्रतिशत) और सब्जियों (-0.93 प्रतिशत) की मुद्रास्फीति नीचे आई है।

ओडिशा के मंत्री ने सिलिकॉन वैली में जगन्नाथ मंदिर की आधारशिला रखी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) मंत्री तुषार कांति बेहरा ने अमेरिका के सिलिकॉन वैली में जगन्नाथ मंदिर की आधारशिला रखी है। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) द्वारा जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई।

बयान में कहा गया कि ओडिशा सरकार का एक प्रतिनिधिमंडल आईटी क्षेत्र में निवेश की तलाश के लिए सिलिकॉन वैली की आधिकारिक यात्रा पर है। इसमें विकास आयुक्त अनु गर्ग, मुख्यमंत्री के सचिव वी के पांडियन, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी विभाग के प्रधान सचिव मनोज मिश्रा भी शामिल हैं। श्री जगन्नाथ मंदिर परिसर और सांस्कृतिक केंद्र नौ एकड़ क्षेत्र में बनेगा।

बयान में कहा गया है कि यह परिसर ओडिया प्रवासियों को ओडिशा के साथ बेहतर तरीके से जुड़ने में मदद करेगा। इस अवसर पर मंत्री और वरिष्ठ अधिकारियों ने मंदिर निर्माण स्थल पर पौधे लगाए।

पश्चिम बंगाल : भाजपा विधायक बिष्णु पद रे का निधन

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के धूपगुड़ी से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक बिष्णु पद रे का मंगलवार सुबह यहां के एक सरकारी अस्पताल में निधन हो गया। वह 61 वर्ष के थे और कुछ समय से फेफड़ों के संक्रमण से पीड़ित थे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि राज्य विधानसभा के मॉनसून सत्र में हिस्सा लेने के लिए कोलकाता पहुंचे रे को बेचैनी की शिकायत के बाद रविवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल के एक वरिष्ठ चिकित्सक ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, सोमवार को रे की सर्जरी की गई थी। इसके बाद उनकी तबीयत में थोड़ा सुधार भी हुआ, लेकिन रात में हालत फिर बिगड़ गई और मंगलवार तड़के तीन बजे उनका निधन हो गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रे के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए ट्वीट किया, बिष्णु पद रे जी के असामयिक निधन के बारे में जानकर दुख पहुंचा। वह एक परिश्रमी विधायक थे, जिन्होंने जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए कई प्रयास किए। उन्होंने बंगाल भाजपा को मजबूत करने के लिए भी कड़ी मेहनत की। उनके परिवार और समर्थकों के प्रति संवेदना। ओम शांति।

विपक्ष का आरोप : गठबंधन बनने से प्रधानमंत्री परेशान, 'इंडिया' से नफरत करने लगे हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के घटक दलों ने मंगलवार को आरोप लगाया कि विपक्ष का यह मोर्चा बनने से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी परेशान और 'बैकफुट' पर हैं तथा 'इंडिया' की तुलना आतंकवादी संगठन से कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के संसदीय दल की बैठक में विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' को देश का अब तक का सबसे 'दिशाहीन' गठबंधन करार दिया। उन्होंने ईस्ट इंडिया कंपनी और इंडियन मुजाहिदीन जैसे नामों का हवाला देते हुए कहा कि केवल देश के नाम के इस्तेमाल से लोगों को गुमराह नहीं किया जा सकता। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने ट्वीट किया, मोदी जी, आपको पूर्वोत्तर पर 'ऐक्ट ईस्ट' नीति नहीं दिख रही, पर आपको 'ईस्ट इंडिया कंपनी' दिख रही है! इस इंडिया ने ही अंग्रेजों की 'ईस्ट इंडिया कंपनी' को हराया था। इस इंडिया ने ही 'इंडियन मुजाहिदीन' को भी हराया था। उन्होंने प्रधानमंत्री से सवाल किया, आप मणिपुर में हो रही बर्बरता और भयावह हिंसा पर संसद में कब बयान देंगे? मणिपुर के लोगों के जख्मों पर मरहम लगाकर, वहां शांति कब बहाल करेंगे? खरगे ने आरोप लगाया, विपक्ष देश को दिशा दे रहा है। प्रधानमंत्री खुद ही दिशाहीन हो गए हैं।

मेरे ख्याल से प्रधानमंत्री मोदी को 'इंडिया' नाम पसंद है: ममता

कोलकाता/भाषा। विपक्ष के गठबंधन पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की टिप्पणी को लेकर उन पर तंज कसते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को कहा कि उनके ख्याल से उन्हें (प्रधानमंत्री को) 'इंडिया' नाम पसंद है।

राजभवन में राज्यपाल सीवी आनंद बोस के साथ एक संक्षिप्त बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए बनर्जी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विपक्षी गठबंधन के बारे में जितनी गलत बातें करेगी, उतना ही वह (पार्टी) इसके प्रति अपनी पसंद साबित करेगी। उन्होंने कहा, हमारे प्रधानमंत्री को धन्यवाद। मुझे लगता है कि उन्हें 'इंडिया' नाम पसंद है। आम लोगों की तरह उन्होंने भी इसे स्वीकार कर लिया है। जितना अधिक वे नाम के बारे में बुरा बोलेंगे, उतना ही अधिक वे इसके प्रति अपनी पसंद साबित करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को भाजपा के संसदीय दल की बैठक में विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) को देश का अब तक का सबसे 'दिशाहीन' गठबंधन करार दिया। उन्होंने ईस्ट इंडिया कंपनी और इंडियन मुजाहिदीन जैसे नामों का हवाला देते हुए कहा कि केवल देश के नाम के इस्तेमाल से लोगों को गुमराह नहीं किया जा सकता।

मध्य प्रदेश मुख्यमंत्री को ले जा रहे हेलीकॉप्टर में खराबी, चौहान को सड़क मार्ग से यात्रा करनी पड़ी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को ले जा रहे हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी आ जाने से उन्हें मंगलवार को होशंगाबाद जिले के बनखेड़ी से सिवनी मालवा शहर तक सड़क मार्ग से सफर करना पड़ा।

मुख्यमंत्री ने एक वीडियो संदेश में कहा, मैं आपसे माफी मांगता हूं कि बनखेड़ी में हेलीकॉप्टर में कुछ तकनीकी खराबी आ जाने के कारण मैं आपके बीच समय पर सिवनी मालवा नहीं पहुंच सका। चौहान ने कार में यात्रा करते समय रिकॉर्ड किए गए संदेश में कहा कि देरी के कारण जन दर्शन कार्यक्रम रद्द कर दिया गया जिसमें उन्हें भाग लेना था। चौहान ने कहा, लेकिन मैं आप सभी से मिले बिना वापस नहीं जाऊंगा और जल्द ही बैठक स्थल पर पहुंचूंगा। वर्ष के अंत में होने वाले महत्वपूर्ण विधानसभा चुनावों से पहले 16 जुलाई से 14 अगस्त तक भाजपा शासित राज्य में आयोजित विकास पर्व कार्यक्रम में बनखेड़ी में भाग लेने के बाद शिवराज सिंह चौहान को सिवनी मालवा पहुंचना था लेकिन उनके हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी के कारण उनका कार्यक्रम बाधित हुआ।

भारत में शत्रु सम्पत्ति की नीलामी शुरू कर दी गई है : सरकार

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने मंगलवार को लोकसभा को बताया कि उसने देश में शत्रु सम्पत्ति की नीलामी शुरू कर दी है और ऐसी सम्पत्ति का प्रबंधन एवं निपटान एक सतत प्रक्रिया है।

लोकसभा में सजदा अहमद के प्रश्न के लिखित उत्तर में गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा ने यह जानकारी दी। सदस्य ने पूछा था कि क्या सरकार ने शत्रु सम्पत्तियों की नीलामी शुरू की है और ऐसी संपत्तियों की नीलामी की क्या प्रक्रिया है।

गृह राज्य मंत्री ने कहा, जी, हां। भारत में चल और अचल दोनों प्रकार की शत्रु सम्पत्ति का प्रबंधन एवं निपटान एक सतत प्रक्रिया है। उन्होंने बताया कि यह प्रक्रिया शत्रु सम्पत्ति अधिनियम, 1968 और उसके नियमों तथा इस संबंध में जारी दिशानिर्देशों के तहत संचालित होती है और यह सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं।

मणिपुर हिंसा के खिलाफ मिजोरम में हजारों लोगों ने किया प्रदर्शन, मुख्यमंत्री भी हुए शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आइजोल/भाषा। जातीय हिंसा से जूझ रहे मणिपुर में 'जो' समुदाय के प्रति एकजुटता व्यक्त करने के लिए मिजोरम में हजारों लोगों ने मंगलवार को प्रदर्शन किया। 'सेंट्रल यंग मिजो एसोसिएशन' (सीवाईएमए) और 'मिजो जिरलाई पावल' (एमजेडपी) सहित पांच प्रमुख नागरिक संस्थाओं के समूह 'एनजीओ को-ऑर्डिनेशन कमेटी' ने राज्य के विभिन्न हिस्सों में रैलियां आयोजित कीं।

मुख्यमंत्री जोरमथंगा, उपमुख्यमंत्री तावंलुइया, मंत्रियों एवं राज्य के विभिन्न दलों के विधायकों ने आइजोल में बड़े पैमाने पर हुई प्रदर्शन रैली में भाग लिया। इस रैली में हजारों आम लोग भी शामिल हुए। इस दौरान लोगों ने पड़ोसी राज्य में हिंसा की निंदा करने वाले पोस्टर थाम रखे थे।

आइजोल में रैली में एकत्र हुई भीड़ इतनी अधिक थी कि शहर मानो थम गया हो। रैली में भाग लेने वालों ने दावा किया कि राज्य में हालिया वर्षों में इतना बड़ा प्रदर्शन नहीं देखा गया है।

इस रैली के समर्थन में सत्तारूढ़ मिजो नेशनल पार्टी' (एमएनएफ) के कार्यालय बंद रहे। विपक्षी दलों भाजपा, कांग्रेस और जोरम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) ने भी रैलियों के समर्थन में अपने पार्टी कार्यालय बंद रखे।

'एनजीओ को-ऑर्डिनेशन कमेटी' के अध्यक्ष आर ललंघेटा ने केंद्र से मणिपुर में हिंसा रोकने का आग्रह किया। उन्होंने रैली में कहा, यदि भारत हमें भारतीय मानता है, तो उसे मणिपुर में 'जो' समुदाय के लोगों की समस्या को दूर करने के लिए तत्काल कदम उठाने चाहिए। प्रदर्शनकारियों ने एक प्रस्ताव भी पारित किया, जिसमें केंद्र से जातीय संघर्ष के पीड़ितों को मुआवजा देने और दो महिलाओं के जघन्य यौन उत्पीड़न की घटना में शामिल लोगों के लिए कड़ी सजा सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया।

प्रधानमंत्री चाहे कुछ भी कहें, इंडिया' मणिपुर में भारत की अवधारणा का पुनर्निर्माण करेगा : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) पर निशाना साधे जाने के बाद मंगलवार को उन पर पलटवार करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी इस गठबंधन को लेकर कुछ भी कहें, लेकिन यह 'इंडिया' है, जो मणिपुर को मरहम लगाने तथा हर महिला और बच्चे के आंसू पोंछने में मदद करेगा। कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि यह विपक्षी गठबंधन मणिपुर में भारत की अवधारणा का पुनर्निर्माण करेगा।

राहुल गांधी ने ट्वीट किया, मोदी जी, आप हमें जो चाहें संबोधित कर लें। हम 'इंडिया' हैं। हम मणिपुर को मरहम लगाने और हर महिला एवं बच्चे के आंसू पोंछने में मदद करेंगे। हम राज्य के सभी लोगों के जीवन में प्यार और शांति वापस लाएंगे। हम मणिपुर में भारत की अवधारणा का पुनर्निर्माण करेंगे।

'राज्यों के चुनाव के बाद सरकार में शामिल होने पर फैसला करेगी बसपा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) नेता मायावती ने मंगलवार को कहा कि उनकी पार्टी राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और तेलंगाना जैसे राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों के बाद सरकारों में शामिल होने पर विचार करेगी ताकि 'सत्ता संतुलन' और हाशिये पर रह रहे लोगों का उत्थान सुनिश्चित किया जा सके।

यहां बसपा नेताओं की एक समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए मायावती ने कहा कि चार राज्यों में कमजोर वर्गों और मुसलमानों की बेहतरी के लिए यह महत्वपूर्ण है कि एक मजबूत और अहंकारी सरकार के बजाय एक गठबंधन सरकार सत्ता में हो जो लोगों के कल्याण के लिए काम करेने के लिए बाध्य हो। पार्टी द्वारा जारी बयान में मायावती ने कहा कि अपनी उपस्थिति से बसपा ने कई राज्यों में सत्ता संतुलन स्थापित किया जिसकी वजह से दलित समुदाय का 'राजनीतिक सम्मान' बढ़ा।

उन्होंने कहा, लेकिन स्वार्थी लोगों ने समाज के बजाय अपने हितों को प्राथमिकता दी और जातिवादी पार्टियों के साथ चले गए। इस साल अक्टूबर-नवंबर में राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना के साथ ही मिजोरम में विधानसभा चुनाव होने की उम्मीद है।

असम में 45 करोड़ रुपए के मादक पदार्थ जब्त, तीन गिरफ्तार

गुवाहटी/भाषा। असम के कछार जिले में 45 करोड़ रुपए के मादक पदार्थ बरामद किए गए और एक अंतरराज्यीय गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है जिनमें से एक कथित तौर पर हिरासत से भागने की कोशिश के दौरान पुलिस गोलीबारी में घायल हो गया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। असम पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) के उप महानिरीक्षक पार्थ सारथी महंत ने बताया कि सोमवार देर रात मिजोरम से खेप की आवाजाही के बारे में एक गुप्त सूचना के आधार पर एक अभियान शुरू किया गया था। महंत ने पीटीआई-भाषा से कहा 'हमने आईएसबीटी सिलचर के पास एक राजमार्ग पर जांच चौकी बनाई थी जहाँ वाहनों की जांच के दौरान एक कार को रोका गया और गहन तलाशी लेने पर 2.5 किलोग्राम संदिग्ध हेरोइन बरामद की गई। उन्होंने बताया कि हेरोइन को बोनट के नीचे छुपाया गया था जबकि कार की डिग्गी से एक लाख याबा की गोलियां भी बरामद की गईं। कार में सवार तीन लोगों को गिरफ्तार करने के साथ ही वाहन जब्त कर लिया गया।

सिराज ने तेज गेंदबाजी इकाई का नेतृत्व किया है : रोहित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पोर्ट ऑफ स्पेन/भाषा। कप्तान रोहित शर्मा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की श्रृंखला में 1-0 से जीत के बाद कहा कि भारतीय टीम सही जगह पर है और सीनियर तेज गेंदबाजों की अनुपस्थिति मोहम्मद सिराज ने अपनी भूमिका को शानदार तरीके से अंजाम दिया है। सिराज ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट की पहली पारी में 60 रन देकर 5 विकेट लिए थे। इस प्रदर्शन से वह टेस्ट में पहली बार मैन ऑफ द मैच बनें।

क्वींस पार्क ओवल में लगातार बारिश के कारण पांचवें और अंतिम दिन का खेल रद्द होने के बाद मैच ड्रॉ पर समाप्त हुआ। वेस्टइंडीज ने जीत के लिए मिले 365 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए चौथे दिन की समाप्ति पर दो विकेट पर 76 रन बना लिए थे। रोहित ने मैच के बाद पुरस्कार समारोह में कहा, हम सही जगह पर हैं। यह काम पूरा करने के बारे में है। यह पूछे जाने पर कि क्या सिराज तेज आक्रमण की अगुवाई करने के लिए तैयार हैं, रोहित ने कहा कि वह नहीं चाहते कि सिर्फ एक तेज गेंदबाज इस तरह की भूमिका निभाए। उन्होंने कहा, सिराज को मैंने उसके करियर की शुरुआत से देखा है। उसने काफी सुधार किया है। उसने इस तेज गेंदबाजी आक्रमण का नेतृत्व किया है लेकिन मैं नहीं चाहता कि कोई एक इसका का नेतृत्व करे। मैं चाहता हूं कि जिसे भी गेंद सौंपी जाए वह इसका नेतृत्व करें। आप चाहते हैं कि पूरी तेज गेंदबाजी इकाई इस जिम्मेदारी को साझा करें। भारतीय टीम को जीत के लिए आठ विकेट की जरूरत थी लेकिन बारिश ने टीम की उम्मीदें तोड़ दी। पिच से हालांकि गेंदबाजों को ज्यादा मदद नहीं मिल रही थी लेकिन रोहित जीत को लेकर आशान्वित थे। भारतीय कप्तान ने कहा, हर जीत अलग होती है. वेस्टइंडीज में खेलते समय अलग तरह की चुनौती का सामना करना होता है। मैं टीम के प्रदर्शन से खुश हूं। हमने अच्छा प्रयास किया, दुर्भाग्य से आज कोई खेल नहीं सका। हमने वास्तव सकारात्मक रवैया अपनाया था। उन्होंने कहा, आखिर में बारिश ने बाजी मार ली। हम जीत को लेकर काफी आश्वस्त थे। आप जानते हैं कि आखिरी पारी में बल्लेबाजी करना कितना मुश्किल होता है।

हर टेस्ट में तेजी से रन बनाना जरूरी नहीं, यह परिस्थितियों पर निर्भर: इशान

पोर्ट ऑफ स्पेन/भाषा। भारतीय विकेटकीपर इशान किशन ने टेस्ट क्रिकेट में मैच की स्थिति के अनुसार बल्लेबाजी करने की वकालत करते हुए कहा कि उन्हें नहीं लगता कि हर पांच दिवसीय मैच में आक्रामक बल्लेबाजी करने की जरूरत है। वेस्टइंडीज दौरे पर टेस्ट में पदार्पण करने वाले इशान ने दूसरे मैच की दूसरी पारी में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 34 गेंद में नाबाद 52 रन बनाए थे। भारतीय टीम ने इस दौरान 7.54 के रन रेट से दो विकेट पर 181 रन बनाकर पारी घोषित की थी। मैच के बाद किशन से जब तेजी से बल्लेबाजी करने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, यह जरूरी नहीं है कि आप हर मैच में फटाफट क्रिकेट खेलने लगें। यह स्थिति पर निर्भर होना चाहिए। पिचों की परिस्थिति भी इसमें भूमिका निभाती है कि कोई कितनी तेजी से रन बना सकता है।

भारत के घरेलू विश्व कप अभियान में अपेक्षाओं से निपटना महत्वपूर्ण होगा: कपिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। भारत आईसीसी क्रिकेट विश्व कप 2023 में खिताब के दावेदार के रूप में उतरेगा और पूर्व कप्तान कपिल देव ने मंगलवार को कहा कि मेजबान टीम को दोबारा ट्रॉफी जीतने के लिए उम्मीदों के बोझ से निपटना होगा। दो बार के चैंपियन भारत की नजरें पांच अक्टूबर से 19 नवंबर तक होने वाले टूर्नामेंट के दौरान 12 साल के इंतजार के बाद एक और आईसीसी एकदिवसीय विश्व कप जीतने पर टिकी हैं।

कर्नाटक गोल्फ संघ के एक कार्यक्रम के इतर कपिल ने कहा, मुझे नहीं पता कि क्या होगा। उन्होंने अब तक विश्व कप के लिए टीम की घोषणा भी नहीं की है। भारत हमेशा टूर्नामेंट में प्रबल दावेदार के रूप में उतरता है और ऐसा लंबे समय से है। उन्होंने कहा, यह इस पर निर्भर करता है कि टीम चारों तरफ से अपेक्षाओं के दबाव से कैसे निपटती है। हमने स्वदेश में विश्व कप जीता है और मुझे यकीन है कि टीम में चाहे किसी को भी चुना जाए वे दोबारा ऐसा कर सकते हैं। विश्व कप चार साल में होता है और मुझे उम्मीद है कि खिलाड़ी पूरी तरह से तैयार होंगे। कपिल ने कहा कि इस समय क्रिकेट के व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए काम के बोझ और चोट प्रबंधन को महत्व दिया जाना चाहिए। विश्व कप 1983 जीतने वाली भारतीय टीम के कप्तान ने कहा, मेरा समय अलग था, हम बामुश्किल इतना क्रिकेट खेलते थे। ये खिलाड़ी अब 10 महीने क्रिकेट खेल रहे हैं। इसलिए चोटों से शरीर का प्रबंधन महत्वपूर्ण है। सभी का शरीर अलग होता है और फिटनेस बरकरार रखने के लिए उन्हें व्यक्तिगत योजनाओं की जरूरत होती है।

सुविचार

अगर जीवन में जंग अपनो से हो तो उसे हार जाना चाहिये, क्योंकि ज़िन्दगी में कुछ रिश्ते बहुत अनमोल होते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जिम्मेदारी की भावना

बंबई उच्च न्यायालय की नागपुर पीठ ने एक युवक द्वारा आपत्तिजनक वॉट्सऐप स्टेटस लगाने के मामले में जो आदेश दिया है, उस पर सबको विचार करना चाहिए। न्यायालय ने कथित नफरत फैलाने वाली सामग्री पोस्ट करने के आरोपी के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी रद्द करने से इन्कार करते हुए उचित ही कहा है कि वॉट्सऐप स्टेटस के जरिए दूसरों तक कोई संदेश पहुंचाते समय जिम्मेदारी की भावना से व्यवहार करना चाहिए। मोबाइल फोन और इंटरनेट सेवा सुलभ होने से घर-घर तक इसकी पहुंच हो गई है। लोग वॉट्सऐप के जरिए एक-दूसरे तक संदेश पहुंचाते हैं, स्टेटस अपलोड करते हैं। इस दौरान कुछ लोग अपनी जिम्मेदारी भूल जाते हैं और ऐसे संदेश का प्रसार कर देते हैं, जो अशांति का कारण बनता है। जब दिसंबर 2021 में देश के प्रथम सीडीएस जनरल बिपिन रावत और उनके साथ दर्जनभर सैनिक एक हेलिकॉप्टर हादसे में वीरगति को प्राप्त हुए थे, देशवासी शोक-संतप्त थे, तब कुछ लोगों ने आपत्तिजनक वॉट्सऐप स्टेटस लगाए थे। मामला सामने आया तो पुलिस ने कार्रवाई की थी। अक्टूबर 2021 में राजस्थान में एक शिक्षिका के मामले ने तूल पकड़ा था। उसने पाकिस्तानी क्रिकेट टीम द्वारा मैच जीतने की 'खुशी' में वॉट्सऐप स्टेटस लगाकर माहौल को गरमा दिया था। इसी तरह कुछ लोग किसी समुदाय विशेष की आस्था और भावनाओं को ठेस पहुंचाने के लिए वॉट्सऐप स्टेटस लगा देते हैं। जब विवाद बढ़ जाता है तो उन्हें माफी मांगनी पड़ती है। ऐसे स्टेटस लगाने के मामलों में कई यूजर्स जेल जा चुके हैं। सवाल है- क्या इस प्रकार के वॉट्सऐप स्टेटस लगाने से पहले उन्हें परिणाम का बोध नहीं होता? वॉट्सऐप हो या फेसबुक, ट्विटर या कोई अन्य सोशल मीडिया मंच, इन पर अकाउंट बनाने के बाद सबसे ज्यादा जरूरी है 'आत्मानुशासन'। प्राय: बहुत लोगों में इसका अभाव होता है। उन्हें लगता है कि उनके हाथ में मोबाइल फोन है, सोशल मीडिया पर अकाउंट है, तो जो मन करे, वह पोस्ट करने का अधिकार मिल गया है। इसी का परिणाम है कि आए दिन सोशल मीडिया के कारण नए-नए विवाद पैदा हो रहे हैं।

सोशल मीडिया पर अपने विचार प्रस्तुत करते समय अनुशासन उस व्यक्ति के भीतर से आना चाहिए। क्या पोस्ट, लाइक, शेयर करना है, क्या नहीं करना है ... को समझना बहुत जरूरी है। वॉट्सऐप ने मई में भारत के 65 लाख से ज्यादा अकाउंट बंद किए थे। इससे पहले भी ऐसी खबरें आ चुकी हैं, जिनके मुताबिक भारत के लाखों वॉट्सऐप यूजर्स के अकाउंट बंद किए जा चुके हैं। वॉट्सऐप पर फेक न्यूज का तेजी से प्रसार हो रहा है। इसे ध्यान में रखते हुए कंपनी ने एक बार में सीमित समूहों तक फॉरवर्ड की शर्त लगा दी, लेकिन इसके बावजूद समस्या नियंत्रण से बाहर है। हाल में मणिपुर में हुईं हिंसक घटनाओं के वीडियो वॉट्सऐप समूहों में बहुत फॉरवर्ड किए गए थे। उनमें से कई वीडियो फर्जी भी थे। जब वे एक समूह से दूसरे समूह तक पहुंचे तो लोगों ने उनकी सत्यता जानने और संबंधित महिलाओं की निजता का सम्मान करने के बजाय उन्हें तुरंत आगे बढ़ा दिया। बाद में वॉट्सऐप ने ऐसे वीडियो को हटाया/प्रतिबंधित किया। एक चर्चित विदेशी पत्रकार का वॉट्सऐप समूह है, जिसमें भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश के कई लोग शामिल हैं। जब तक उस समूह में 'केवल एडमिन' को अपने विचार प्रस्तुत करने का अधिकार होता है, वहां माहौल सामान्य होता है। जब समूह सभी के लिए खोल दिया जाता है तो बड़ी संख्या में लोग अभद्र व आपत्तिजनक बातें पोस्ट करने लग जाते हैं। इससे पता चलता है कि उनमें आत्मानुशासन नहीं है। अगर वे गंभीर चर्चा के लिए बने समूह में ऐसी सामग्री पोस्ट कर सकते हैं, जहां एडमिन के पास कई शक्तियां होती हैं, तो अपने वॉट्सऐप स्टेटस पर भी वैसी ही सामग्री अपलोड करते होंगे! बंबई उच्च न्यायालय की नागपुर पीठ के ये शब्द हर वॉट्सऐप यूजर के लिए ऑनलाइन आचरण की नियमावली की तरह हैं - 'वॉट्सऐप स्टेटस ... आप क्या कर रहे हैं, क्या सोच रहे हैं या आपने जो कुछ देखा है, उसकी तस्वीर या वीडियो हो सकता है। यह 24 घंटे के बाद हट जाता है। वॉट्सऐप स्टेटस का उद्देश्य किसी व्यक्ति द्वारा परिचितों तक किसी बात को पहुंचाना होता है। यह और कुछ नहीं, बल्कि परिचित व्यक्तियों से संपर्क का एक तरीका है। दूसरों को कोई बात बताते समय जिम्मेदारी की भावना से व्यवहार करना चाहिए।'

ट्वीटर टॉक

कब तक शर्मसार होती रहेगी मरुधरा? कांग्रेस के जंगलराज में महिलाओं पर अत्याचार की घटनाएं चरम पर हैं। बाड़मेर में अनुसूचित जनजाति महिला का अपहरण कर उसके साथ बलात्कार कर उसकी हत्या किया जाना बेहद शर्मनाक और निंदनीय है।

-राजेन्द्र राठौड़

संसद परिसर में स्वास्थ्य जांच शिविर का शुभारंभ किया। माननीय सदस्यों में लीवर स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने में यह शिविर महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस तरह के आयोजन सभी सांसदगणों को अपने क्षेत्रों में भी करने चाहिएं ताकि आमजन भी लीवर स्वास्थ्य के प्रति सजग हो सकें।

-ओम बिरला

प्रदेश की भ्रष्ट, अराजक एवं अकर्मण्य कांग्रेस की सरकार के खिलाफ जनता का आक्रोश चरम पर है, भाजपा 1 अगस्त को जयपुर में इस निकृष्ट कांग्रेस सरकार के खिलाफ हल्ला बोलेगी। आज उसी के निमित्त भाजपा जयपुर देहात उत्तर की टीम के साथ संवाद किया।

-सतीश पूनिया

प्रेरक प्रसंग

संत की सत्ता

तुर्किस्तान और ईरान के बीच युद्ध छिड़ा हुआ था। तुर्की की हार तय थी। किंतु एक रोज़ ईरान के सूफी संत करीदुबीन तुर्कों के हाथ पड़ गये। तुर्कों ने उन पर जासूसी का आरोप लगाकर उन्हें फांसी की सजा सुना दी। संत की प्राणरक्षा के लिए ईरानी उनके वजन के बराबर हीरे-जवाहरात देने को तैयार हो गये। अनेक लोग उसके बदले जान देने को तैयार थे, पर तुर्कों ने संत को नहीं छोड़ा।

अंततः ईरान के शाह ने तुर्क सुल्तान से विनती की कि चाहो तो ईरान का राज्य ले लो, पर संत को छोड़ दो। सुल्तान ने हैरत से पूछा, 'लड़ाई में जिस देश को हम नहीं जीत सके, उसे एक व्यक्ति के एवज में क्यों सौंप रहे हो?' शाह बोले, 'वह व्यक्ति नहीं, हमारे देश की धड़कन है। हमारे देश की आबरू है। उसके कारण हमारे देश का धर्म, संस्कृति और आचरण जिंदा है। अन्न, जवान व सच्चे संत राष्ट्ररक्षा के मुख्य स्तंभ हैं। अनाज उपजाया जा सकता है। जवान तैयार किये जा सकते हैं। किंतु संत सैकड़ों साल में एक बार जन्म लेते हैं। संतों से रहित देश मुर्दा है। संत की सत्ता सर्वोपरि है।'

सामयिक

हंगामें के बीच गरिमा खोते संसदीय मंच

ललित गर्ग

भारत की संसदीय प्रणाली दुनिया में लोकप्रिय एवं आदर्श है, बावजूद इसके सत्ता की आकांक्षा एवं राजनीतिक मतभेदों के चलते लगातार संसदीय प्रणाली को धुंधलाने की घटनाएं होते रहना दुर्भाग्यपूर्ण है। अब संसद की कार्रवाई को बाधित करना एवं संसदीय गतिरोध आमबात हो गयी है। न केवल संसद बल्कि राज्यों की विधानसभाओं में समुचित रूप से विधायी कार्य न हो पाना दुर्भाग्यपूर्ण है। संसद एवं विधानसभाएं ऐसे मंच हैं जहां विरोधी पक्ष के सांसद एवं विधायक आलोचना एवं विरोध प्रकट करने के लिये स्वतंत्र होते हैं, लेकिन विरोध प्रकट करने का असंसदीय एवं आक्रामक तरीका, सत्तापक्ष एवं विपक्ष के बीच तकरार और इन स्थितियों से उत्पन्न संसदीय गतिरोध लोकतंत्र की गरिमा को धुंधलाने वाले हैं। अपने विरोध को विराट बनाने के लिये सार्थक बहस की बजाय शोर-शराबा और नारेबाजी की स्थितियां कैसे लोकतांत्रिक कही जा सकती है? दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश की विधायिकाओं में जो दृश्य देखने को मिल रहे हैं, वे सचमुच चिंताजनक हैं। हालत यह है कि हंगामे व शोर-शराबों के दौर में न संसद का सत्र चल पा रहा है और न ही राज्यों की विधानसभाएं। संसद से लेकर राज्यों की विधानसभाओं तक तस्वीर एक जैसी सामने आ रही है। राज्यसभा के सभापति ने आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह को अमर्यादित आचरण के आरोप में पूरे सत्र के लिए, तो राजस्थान में भी तीन दिन पहले तक मंत्री रहे राजेन्द्र गुढ़ा और विपक्षी दल भाजपा के विधायक मदन दिलावर को शेष सत्र के लिए निलम्बित कर दिया गया। संसद में हुड़दंग मचाने, अभद्रता प्रदर्शित करने एवं हिंसक घटनाओं को बल देने के परिदृश्य बार-बार उपस्थित होते रहना भारतीय लोकतंत्र की गरिमा से खिलवाड़ ही माना जायेगा। सफल लोकतंत्र के लिए सत्ता पक्ष के साथ ही मजबूत विपक्ष की भी जरूरत होती है। लेकिन पक्ष एवं विपक्ष दोनों ही लोकतंत्र को दूषित करने में लगे हैं।

यह देखना दुखद, दयनीय और शर्मनाक है कि मणिपुर को लेकर देश-दुनिया में तो चर्चा हो रही है, लेकिन भारत की संसद में नहीं। यह चर्चा न हो पाने के लिए जिम्मेदार है क्षुद्र राजनीति और एक-दूसरे को कठघरे में खड़ा करने की प्रवृत्ति। संसद के तीन दिन बर्बाद हो गए, लेकिन मणिपुर पर चर्चा शुरू नहीं हो सकी। विपक्ष गृहमंत्री से पहले प्रधानमंत्री का वक्तव्य चाहता है। यह जिद चर्चा से बचने का बहाना ही अधिक जान पड़ती है, क्योंकि एक तो प्रधानमंत्री मणिपुर की घटना पर पहले ही बोल चुके हैं और दूसरे, सत्तापक्ष की ओर से यह नहीं कहा गया कि वह आगे इस विषय पर कुछ नहीं कहने वाले। लेकिन विपक्ष ने ठान लिया है कि वही होना चाहिए, जो उसकी ओर से कहा जा रहा है। जबकि सत्तापक्ष की ओर से बार-बार यह कहा जा रहा है कि मणिपुर सहित अन्य जरूरी मुद्दों पर यदि चर्चा के लिए समय कम पड़ा और उसे बढ़ाने की आवश्यकता पड़ी तो यह काम किया जा सकता है, इससे यही प्रतीत होता है कि विपक्ष संसद में ऐसा माहौल बना देना चाहता है कि आम जनता को लगे कि सरकार मणिपुर पर चर्चा करने से बच रही है। शायद इसीलिए विपक्षी नेता संसद परिसर में प्रदर्शन करने और दोनों सदनों में नारेबाजी को अतिरिक्त प्राथमिकता दे रहे हैं। लगभग ऐसी ही स्थितियां मध्यप्रदेश और राजस्थान की विधानसभाओं में देखने को मिल रही है।

मध्यप्रदेश और राजस्थान दोनों ही राज्यों में चार माह बाद ही विधानसभा चुनाव होने हैं। मध्यप्रदेश में तो विधानसभा के आखिरी सत्र में पांच बैठकें होनी थीं लेकिन शोर-शराबे के हालात ऐसे रहे कि दो बैठकों के बाद ही मानसून सत्र समाप्त कर दिया गया। वैसे तो यह कोई नई बात नहीं है। देश की अधिकांश विधानसभाएं हंगामे और शोरगुल में ही डूबी रहती हैं बिना कामकाज किये सम्पन्न हो जाती है। ऐसे में सवाल यही उठता है कि क्या यह सबसे बड़े लोकतंत्र की निशानी है? राजनीतिक दल और राजनेता यह अच्छी तरह से जानते हैं कि देश की संसद और विधानसभाएं राजनीति करने का मंच नहीं हैं। कानून बनाने, विकास की योजनाओं को लागू करने और उनको मजबूती देने के साथ जनसमस्याओं पर चर्चा कर उनका समाधान निकालने के लिए बने लोकतंत्र के ये पवित्र मंदिर हैं। सत्तारूढ़ दल और विपक्षी दल एक-दूसरे को नीचा दिखाने की होड़ में रहते हैं और इसी में सदनों का कीमती समय एवं जनता की गाढ़ी कमाई के अरबों रुपए हर साल खर्च एवं बर्बाद हो जाता है। जनता के पैसे से ही विधायक-सांसदों के वेतन-भत्ते और सुविधाएं उठाने वाले जनप्रतिनिधि उसी जनता की आवाज सदन में नहीं उठाएं तो क्या यह जनता के साथ धोखा नहीं?

कितना दुखद प्रतीत होता है जब कई-कई दिन संसद में ढंग से काम नहीं हो पाता है। विवादों का ऐसा सिलसिला खड़ा कर दिया जाता है कि संसद में सारी शालीनता एवं मर्यादा को ताक पर रख दिया जाता है। विवाद तो संसद में भी होती हैं और सड़क पर भी। लेकिन संसद को सड़क तो नहीं बनने दिया जा सकता? वैसे, भारतीय संसदीय इतिहास में ऐसे अवसर बार-बार आते हैं, जब परस्पर संघर्ष के तत्व ज्यादा और समन्वय एवं सौहार्द की कोशिशें बहुत कम नजर आती है। स्पष्ट है कि यदि दोनों पक्ष अपने-अपने रवैये पर अडिग रहते हैं तो संसद का चलना मुश्किल ही होगा। यदि वह चलती भी है, चर्चा होती है तो भी लगता नहीं कि वह स्तरीय और देश को आश्वस्त करने वाली होगी, क्योंकि सभी राजनीतिक दल राजनीतिक लाभ की रोटियां सेंकने के फेर में दिख रहे हैं। फिर विधानसभा चुनाव एवं आम चुनाव सामने होने की वजह से सभी कोई एक-दूसरे पर दोषारोपण कर जनता को गुमराह करना चाहते हैं। लेकिन राजनीतिक दल एक-दूसरे पर आरोप लगाने में चाहे जितनी ऊर्जा खपाएं, वे देश को निराश करने का ही काम कर रहे हैं। वास्तव में संसद में गंभीरता जताने के नाम पर जो कुछ हो रहा है, वह किसी तमाशे से कम नहीं। यह तमाशा देश को लज्जित एवं शर्मसार करने वाला है।

आग्रह, पूर्वाग्रह और दुराग्रह- इसी से भारतीय राजनीति ग्रस्त हैं, ऐसे राजनेता गिनती के मिलेंगे जो इन तीनों स्थितियों से बाहर निकलकर जी रहे हैं। पर जब हम आज राष्ट्र की विधायी संचालन में लगे अगुओं को देखते हैं तो किसी को इनसे मुक्त नहीं पाते। आजादी के अमृतकाल तक पहुंचने के बावजूद लोकतंत्र के सारथियों में परिपक्वता नहीं पनप पा रही हैं, साफ चरित्र जन्म नहीं ले पाया है, लोकतंत्र को हांकने के लिये हम प्रशिक्षित नहीं हो पाये हैं। उसका बीजवपन नहीं हुआ या खाद-पानी का सिंचन नहीं हुआ। आज आग्रह पल रहे हैं-पूर्वाग्रहित के बिना कोई विचार अभिव्यक्ति नहीं और कभी निजी और कभी दलगत स्वार्थ के लिए दुराग्रही हो जाते हैं। कल्पना सभी रामराज्य की करते हैं पर रचा रहे हैं महाभारत।

विपक्षी दल अनावश्यक आक्रामकता का परिचय देंगे तो सरकार उन्हें उसी की भाषा में जवाब देगी- कैसे संसदीय गरिमा कायम हो सकेगी? इसका सीधा मतलब है कि संसद में विधायी कामकाज कम, हल्ला-गुल्ला ज्यादा होता रहेगा। कायदे से इस अप्रिय स्थिति से बचा जाना चाहिए। यह एक बड़ा सच है कि संसदीय प्रक्रिया एक जटिल व्यवस्था है और इसे बार-बार परीक्षाओं से गुजरना पड़ता है।

लोकतंत्र पहले भी बड़ी परीक्षाओं से गुजरकर निखरा है और लोगों को यही उम्मीद है कि अमृतकाल में भारतीय लोकतंत्र को हांकने वाले लोग परिवक्व होंगे, भारतीय लोकतंत्र इन दुर्भाग्यपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण त्रासदियों से बाहर आयेगा। संसदीय लोकतंत्र की अपनी मर्यादाएं हैं, वह पक्ष-विपक्ष की शर्तों से नहीं, आपसी समझबूझ, मूल्यों एवं आपसी सहमति की राजनीति से चलता है। एक तरह से साबित हो गया, भारतीय राजनीति में परस्पर विरोध कितना जड़ एवं अव्यावहारिक है। राजनीति की रफ्तार तेज है, लेकिन कहीं ठहरकर सोचना भी चाहिए कि लोकसभा, राज्यसभा एवं विधानसभाओं में थोड़ा सा समय विरोध-प्रतिरोध के लिए हो और ज्यादा से ज्यादा समय देश एवं प्रांतों के तेज विकास एवं देश निर्माण की चर्चाओं एवं योजनाओं में लगें।

मुद्दा

लाल डायरी ने मचाई राजस्थान की सियासत में हलचल !

अशोक भाटिया

बहुत पहले अमिताभ बच्चन की फिल्म आई थी 'डॉन जिसमें लाल डायरी ने सस्पेंस क्रियेट किया था व फिल्म में हलचल मचा रखी थी वैसा ही सस्पेंस व हलचल मचा रखी है राजस्थान की सियासत में लाल डायरी ने । अब सवाल उठने लगा है कि इस लाल डायरी से क्या राजस्थान कांग्रेस में बढ़ने वाला है का संकट? क्योकि राजस्थान विधानसभा में बर्खास्त मंत्री राजेंद्र गुढ़ा के 'लाल डायरी' लहराने का मामला गरमा गया है। दरअसल, गुढ़ा ने इस लाल डायरी के साथ सदन में अचानक धमाका किया ऐसा नहीं है। उन्होंने इस बारे में तभी अपनी मंशा थी, जब सरकार ने उन्हें बीते दिनों राज्य मंत्री पद से बर्खास्त करने के आदेश जारी किए थे। उसी दिन उन्होंने मीडिया से बातचीत में कह दिया था कि वे सोमवार को सदन में कोई बड़ा धमाका करने वाले हैं। गुढा ने पहले शनिवार को, फिर रविवार को भी कहा था कि सोमवार को विधानसभा में जमकर धमाल करूंगा। उन्होंने कहा था कि वहां जो बोलता है, वही मरता है। मैं बोल गया तो मैं मर गया। गुढ़ा ने कहा था कि मुझे बर्खास्त करने के बाद अब बोल रहे हैं कि गुढ़ा भाजपा से मिला हुआ है। वसुंधरा राजे और अशोक गहलोत मिलते हैं तो किसी को कोई दिक्कत नहीं होती। आज सरकारी कार्यक्रम में भाजपा के सांसद नरेंद्र खीचड़ मेरे साथ बैठे हैं तो दिक्कत खड़ी हो जाएगी। झुंझुनूं जिले के गुढ़ा बावनी व बामलास गांव में रविवार को आयोजित कार्यक्रम में बर्खास्त मंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने 'लाल डायरी' का जिक्र किया था । उन्होंने कहा कि आज मैं नहीं होता तो मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जेल में होते। गहलोत ने डायरी के लिए बोल कर मुझसे डकैती कराई थी। मुख्यमंत्री ने उस दिन मुझसे कहा था कि गुढ़ा आज मेरा सब कुछ तुम्हारे हाथ में है, इसलिए 150 सीआरपीएफ जवानों के बीच में से निकल कर नौवीं मंजिल से वह डायरी निकाल कर लाया। मैंने वो डायरी नहीं निकाली होती तो आज गहलोत साहब जेल में होते। मुख्यमंत्री के पद पर नहीं होते। गुढ़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री ने खुद ने कहा था कि आज राजेन्द्र गुढ़ा नहीं होता तो मैं मुख्यमंत्री नहीं होता। उन्होंने कहा कि जज भी कोई फैसला करते हैं तो पूरी प्रक्रिया अपनाते हैं। लेकिन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने तो मेरे से कुछ भी नहीं पूछा। एक झटके में ही उड़ा दिया। मुझसे बोलते तो मैं इस्तीफा दे देता। गुढ़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री ने छल से मुझसे बोल कर गिर्राज मलिंगा को बुलाया और गिरफ्तार करा दिया। इस कारण मेरे और मलिंगा के बीच नफरत की दीवार बन गई।गुढ़ा बताते है कि मेरे पास 60 लाख का ऑफर था, लेकिन मुख्यमंत्री के कहने पर हमने राज्यसभा सांसद के वोट डाले थे। आत्महत्या करने वाले एक युवक ने महेश जोशी पर आरोप लगाए। उनके बेटे ने जो कृत्य किए, किसी से छिपे नहीं है।

अब विपक्ष ने भी इसे मुद्दा बनाकर गहलोत सरकार को चौतरफा घेरकर अटैक करने रणनीति पर काम कर ना शुरू कर दिया है। जयपुर से लेकर दिल्ली तक से इस 'लाल डायरी' को लेकर सरकार को घेरने में भाजपा लग गई है।नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा है कि लाल डायरी में कांग्रेस सरकार के काले कारनामों का चिट्ठा है। जो राजेन्द्र गुढ़ा कुछ दिन पहले तक मुख्यमंत्री के आंखों के तारे थे, आज वो ही उनके लिए आंखों की किरकिरी बन गए हैं। विधायक विधानसभा में नहीं बोलेगा तो फिर कहां बोलेगा ? राठौड़ ने कहा कि जब चुने हुए प्रतिनिधि को लोकतंत्र के मंदिर में ही जाने नहीं दिया जा रहा है, उनकी आवाज दबाई जा रही है तो जनता के विरोध की आवाज के साथ क्या सलूक किया जाएगा यह भलीभांति समझा जा सकता है। प्रदेश जानना चाहता है, लाल डायरी का सच क्या है? राजस्थान में लोकतंत्र तार-तार हो रहा है।।।!केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने भी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि यह राजस्थान के लोकतांत्रिक इतिहास का काला दिन है, जब किसी विधायक के साथ ऐसा व्यवहार किया गया। उन्होंने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से सवाल किया कि जिस लाल डायरी का जिक्र गुढ़ा कर रहे हैं, उसके विषय में मुख्यमंत्री को पूरा खुलासा करना चाहिए। लाल डायरी में क्या है? पूरा प्रदेश जानना चाह रहा है। शेखावत ने दावा किया कि लाल डायरी में गहलोत सरकार के कई मंत्रियों के भ्रष्टाचार के राज हैं। इसके तार दिल्ली में आलाकमान तक जुड़े हुए हैं।

सोमवार को भाजपा मुख्यालय में पत्रकारों से रू-ब-रू होते हुए शेखावत ने कहा कि लाल डायरी के नाम पर ही कांग्रेस सरकार के मुखिया और मंत्रियों में घबराहट दिखाई देती है। गुढ़ा जी ने एक दिन पहले ही कह दिया था कि इस लाल डायरी से सरकार की चूलें हिल जाएंगी। सरकार धराशाही हो जाएगी। शेखावत मुख्यमंत्री गहलोत से पूछा कि लाल डायरी को लेकर सरकार और उनमें इतनी धबराहट क्यों है? केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि वर्ष 2020 में जब कांग्रेस में अंतरकलह चरम पर थी। अपने आलाकमान से मिलने के लिए कुछ विधायक दिल्ली के पास डेरा डाले बैठे थे। उसी कालखंड में सरकार में मंत्री का दर्जा प्राप्त कांग्रेस के वरिष्ठ पदाधिकारी के यहां इनकम टैक्स ने रेड किया था। उस रेड के दौरान लाल रंग की डायरी और कुछ आपत्तिजनक दस्तावेज रिकवर किए गए।

शेखावत ने कहा कि आज विधानसभा में जिस तरह कांग्रेस के विधायकों में उस लाल डायरी को छीनने की होड़ मची हुई थी, उससे लगता है कि कहीं न कहीं उस लाल डायरी में लाल है या नहीं, लेकिन कुछ काला जरूर है। आज मैं गहलोत साब से यह प्रश्न पूछना चाहता हूं कि आपने क्यों राजेन्द्र गुढ़ा को वहां भेजकर जबरन लाल डायरी मंगवाई? क्या राजस्थान की गरीब जनता की भलाई के लिए चलाई गई योजनाओं से लूटे गए पैसों का उसमें हिसाब था? उन पैसों का कब, कहां और कौन उपयोग कर रहा था? कौन गुलछर्रे उड़ा रहा था? कौन अपनी राजनीतिक आंकाक्षाओं की पूर्ति के लिए उपयोग कर रहा था? किसने कहां प्रॉपर्टी बनाई? क्या इन सबकी जानकारी उसमें थी? गुढ़ा ने कहा था कि डायरी में 500 करोड़ का हिसाब था।

गुढ़ा को चुप रखने के लिए ही उन्हें मंत्री पद से नवाजा गया था। इसलिए वे ढाई साल तक चुप रहे। उन्होंने जो प्रश्न खड़े किए, सरकार उन्हें झेल नहीं पा रही थी। केन्द्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि डायरी में राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (आरसीए) के चुनाव के लिए कब, किसको और कितना पैसा दिया गया? इसका भी हिसाब है। इससे सरकार की बौखलाहट स्पष्ट होती है। इससे यह भी समझ में आ रहा है कि क्यों गुढ़ा जी की बयानबाजी को इतने दिन तक गहलोत सहन कर रहे थे। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि लाल डायरी का रहस्य जिस दिन खुलेगा, कई लोगों का राजनीतिक वजूद हमेशा के लिए खत्म हो जाएगा। राज्य में बढ़ रहे भ्रष्टाचार और अनियमितताओं पर तंज कसते हुए केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि गुढ़ा ने अजमेर ब्लैकमेल कांड के विषय में भी चर्चा की। पेपरलीक की डायरी निकलेगी, वह नीले रंग की होगी। माइनिंग माफिया की डायरी काले या पीले रंग की होगी। नौकरियों में हुए घोटाले की डायरी किसी और रंग होगी। पता नहीं, कितने रंग की डायरियां हैं। इनमें हजारों करोड़ रुपए के घोटालों की जानकारी है। राजस्थान की जनता इनके खुलासे का इंतजार कर रही है। शेखावत ने कहा कि गरीब कल्याण के लिए बनी योजनाओं के पैसे डकार कर ऐसी लाल, पीली, हरी डायरियों में हिसाब लिखा गया है। कभी सरकार बचाने के लिए, कभी राज्यसभा का मेंबर बनाने के लिए, कभी बेटे को राज्यसभा का मेंबर बनाने के लिए और कभी अपने आकाओं को खुश करने के लिए इन डायरियों का उपयोग किया गया है। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि गहलोत सरकार ने भ्रष्टाचार के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं में भ्रष्टाचार हो रहा है। उस भ्रष्टाचार से कमाए धन से राजनीतिक इच्छाओं की पूर्ति की जा रही है। इस डायरी से निकले जिन्न के सूत्र जयपुर से लेकर दिल्ली में कांग्रेस मुख्यालय को जोड़ने वाले हैं। इस पैसों का उपयोग आलाकमान को खुश रखने और अपनी कुर्सियां बचाने के लिए किया गया होगा। शेखावत ने कहा कि गहलोत सरकार की नाकामियों का उजागर करने के लिए प्रदेश में 'नहीं सहेगा राजस्थान' अभियान शुरू किया है। इसमें भ्रष्टाचार, पेपर लीक, माफियाराज, किसानों के खिलाफ वादा-खिलाफी आदि के प्रति जागरुकता पैदा की जाएगी। एक सवाल के जवाब में शेखावत ने कहा कि सरकार संसद में मणिपुर को लेकर डिबेट करना चाहती है, लेकिन जब चर्चा होगी तो विपक्ष पर भी उंगलियां उठेंगी, राजस्थान और छत्तीसगढ़ पर उंगली उठेगी, इस बात के डर से विपक्ष चर्चा से भगा रहा है। केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि प्रदेश के मंत्री शांति घारीवाल द्वारा किए गए घोटालों की गूंज विधानसभा में कई बार सुनाई दी है। विधानसभा के पटल में मंत्री का दर्जा प्राप्त और सलाहकार के रूप में नामित विधायकों ने खड़े होकर मंत्री पर घोटालों का आरोप लगाया है। फिर भी मुख्यमंत्री कोई कार्रवाई नहीं कर रहे। आलाकमान को चुनौती देते हुए वे अपने यहां विधायकों को बुलाकर मास सस्पेंशन करा दें, तब इसका उत्तर सामने आ जाता है कि यह जो राजदार है, वह आलाकमान से भी ज्यादा मुख्यमंत्री जी को प्रिय है। जिस दिन जांच होगी, राजस्थान में एक भी भ्रष्टाचारी बच नहीं पाएगा।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

रैली

अखिल भारतीय मराठा महासंघ (एबीएमएम) के सदस्यों ने मंगलवार को नई दिल्ली में जंतर-मंतर पर आरक्षण की मांग को लेकर सरकार के खिलाफ विरोध रैली निकाली।

बिलावल और ब्लिंकन ने पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था व अफगानिस्तान मुद्दे पर चर्चा की

इस्लामाबाद/भाषा

पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने अपने अमेरिकी समकक्ष एंटनी ब्लिंकन के साथ फोन पर की गई बातचीत में नकदी संकट से गुजर रहे इस्लामाबाद की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने में वाशिंगटन की मदद और अफगानिस्तान सहित अन्य क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा की। यहां विदेश विभाग द्वारा जारी बयान में कहा गया कि दोनों नेताओं ने सोमवार को विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की और रिश्तों को मजबूत करने, शांति व विकास को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करने पर सहमति जताई। गत रात ब्लिंकन ने ट्वीट किया, ''अमेरिका पाकिस्तान के साथ उपयोगी, लोकतांत्रिक और समृद्ध साझेदारी का समर्थन करता है।'' पाकिस्तान आतंकवाद की घटनाओं में वृद्धि का सामना कर रहा है और स्थानीय अधिकारी अफगानिस्तान पर आतंकवादियों को आश्रय देने का आरोप लगा रहे हैं, खासतौर पर प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के लड़ाकों को। पाकिस्तान के विदेश विभाग के मुताबिक अमेरिका के विदेश मंत्री ने रेखांकित किया कि पाकिस्तान के लोग आतंकवादी हमलों का खामियाजा भुगत रहे हैं और आतंकवाद रोधी अभियान में पाकिस्तान के साथ साझेदारी जारी रखने की अमेरिका की प्रतिबद्धता दोहराई। पाकिस्तानी सेना की मीडिया इकाई ने एक बयान जारी कर बताया कि ब्लिंकन और बिलावल के बीच क्षेत्रीय सुरक्षा स्थिति के अलावा आपसी हितों और रक्षा सहयोग पर भी चर्चा हुई।

डोभाल जोहानिसबर्ग में शीर्ष चीनी राजनयिक वांग यी से मिले, द्विपक्षीय संबंधों में 'बाधाओं' को दूर करने पर दिया जोर

जोहानिसबर्ग/भाषा

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल दक्षिण अफ्रीका के जोहानिसबर्ग में चीन के शीर्ष राजनयिक वांग यी से मिले जिसमें उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों में अमन एवं शांति बहाली के प्रयास जारी रखने की जरूरत पर जोर दिया ताकि द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य बनाने की 'बाधाओं' को दूर किया जा सके।

डोभाल और वांग की मुलाकात सोमवार को जोहानिसबर्ग में 'फ्रेंड्स ऑफ ब्रिक्स' की बैठक के इतर हुई। विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार, बैठक में डोभाल ने कहा कि भारत-चीन सीमा पर पश्चिमी सेक्टर में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर स्थिति के कारण 2020 के बाद से सामरिक विश्वास तथा सार्वजनिक एवं राजनीतिक संबंध कमजोर हुए हैं। बयान के अनुसार, उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों में अमन एवं शांति बहाली एवं स्थिति के समाधान के प्रयास जारी रखने के महत्व को रेखांकित किया ताकि द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य बनाने की 'बाधाओं' को दूर किया जा सके।

इसमें कहा गया है कि दोनों पक्षों ने इस बात पर सहमति व्यक्त की कि भारत-चीन द्विपक्षीय संबंध न केवल दोनों देशों के लिए महत्वपूर्ण हैं बल्कि क्षेत्र और विश्व के लिए भी अहम हैं। वांग चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति में विदेश मामलों के आयोग कार्यालय के निदेशक हैं।

जब धनखड़ ने चिदंबरम के शब्दों पर आपत्ति जताई

नयी दिल्ली/भाषा

राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को आसन के बारे में कांग्रेस सदस्य पी चिदंबरम के कुछ ''असंयमित एवं अनुचित'' शब्दों को लेकर आपत्ति जताई। वरिष्ठ कांग्रेस नेता चिदंबरम ने सवाल किया था कि धनखड़ नियम 267 के तहत दिए गए नोटिस को प्राथमिकता क्यों नहीं दे रहे हैं। विपक्षी दलों ने मणिपुर में हिंसा मुद्दे पर प्रधानमंत्री के बयान और नियम 267 के तहत उच्च सदन में चर्चा की मांग करते हुए कई कार्यस्थगन नोटिस दिए थे। धनखड़ ने चिदम्बरम के लंबे संसदीय अनुभव का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस सदस्य का सवाल था, आप यह कैसे कर सकते हैं? जो अनुचित है क्योंकि यह आसन पर आक्षेप के समान है।

धनखड़ ने उच्च सदन में प्रश्नकाल के दौरान कहा कि वह चिदंबरम के शब्दों के चयन से आश्चर्यचकित और स्तब्ध रह गए। उन्होंने कहा, ''कैबिनेट में वरिष्ठ पदों पर रह चुके एक अनुभवी व्यक्ति को देखते हुए... मैं उनसे अपील करूंगा कि वे इस तर्क पर गौर करें कि मैंने ऐसा क्यों किया। मुझे विश्वास है कि आपको इससे (संदेह से) बाहर आने का रास्ता मिल जाएगा'' सभापति ने कहा कि सदन के इतने वरिष्ठ सदस्य की ओर से आसन के लिए इस तरह की असंयमित, अनुचित अभिव्यक्ति उचित नहीं है। चिदंबरम ने स्थिति स्पष्ट करते कहा कि उनकी टिप्पणियों को पूरे संदर्भ में देखा जाना चाहिए और उन्हें रिकॉर्ड की जांच की जानी चाहिए क्योंकि उनका मकसद नकारात्मक नहीं था।

मणिपुर हिंसा को लेकर चर्चा पर खरगे एवं गोयल के बीच राज्यसभा में नोकझोंक

नयी दिल्ली/भाषा

मणिपुर में हिंसा मुद्दे पर राज्यसभा में चर्चा को लेकर मंगलवार को सदन के नेता पीयूष गोयल एवं विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे के बीच नोंकझोंक हुई। खरगे ने इस मुद्दे पर चर्चा के साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सदन में मौजूदगी की मांग की वहीं गोयल ने कहा कि विपक्ष शासित विभिन्न राज्यों में महिलाओं के खिलाफ अपराध मुद्दे पर भी सदन में चर्चा की जाएगी। उच्च सदन की बैठक एक बार के स्थगन के बाद दोपहर 12 बजे शुरू होने पर भी स्थिति पहले जैसी ही रही और विभिन्न विपक्षी दलों के सदस्य मणिपुर हिंसा पर कार्यस्थगन प्रस्ताव के तहत चर्चा कराने की मांग करने लगे। विपक्षी सदस्य इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जवाब की भी मांग कर रहे थे।

हंगामे के बीच ही सभापति जगदीप धनखड़ ने प्रश्नकाल चलाया और कुछ सदस्यों ने पूरक सवाल किए और संबंधित मंत्रियों ने उनके जवाब भी दिए। प्रश्नकाल में ही नेता प्रतिपक्ष खरगे ने मणिपुर की स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि इस संबंध में करीब 50 सदस्यों ने नोटिस दिया है। उन्होंने कहा कि विपक्षी सदस्य चार दिन से लगातार चर्चा की मांग कर रहे हैं लेकिन सरकार तैयार नहीं है। सदन के नेता गोयल ने खरगे की बात का प्रतिकार करते हुए कहा कि किसी भी महिला के साथ अत्याचार होता है तो वह दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सरकार इस विषय के साथ राजस्थान, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में महिलाओं के खिलाफ अपराध की घटनाओं पर चर्चा चाहती है। गोयल ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार चर्चा के लिए तैयार है और गृह मंत्री अमित शाह स्थिति स्पष्ट करेंगे लेकिन विपक्ष चर्चा नहीं कर रहा क्योंकि वह अपनी विफलता को छिपाना चाहता है। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री चर्चा के लिए तैयार हैं और वह दूध का दूध, पानी का पानी करेंगे। खरगे ने कहा कि मणिपुर जल रहा है और वहां महिलाओं के साथ दुष्कर्म हो रहे हैं और मकान जलाए जा रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष मणिपुर की बात कर रहा है लेकिन प्रधानमंत्री बाहर में ईस्ट इंडिया कंपनी की बात कर रहे हैं।

'कांगुवा' में खलनायक की भूमिका निभाएंगे बॉबी देओल

मुंबई/एजेन्सी

बहुत महत्वाकांक्षी फिल्म कांगुवा पर काम जोरों पर शुरू हो गया है। जबकि फिल्म की घोषणा कुछ साल पहले की गई थी, इसके बड़े पैमाने पर प्रदर्शित होने की उम्मीद है और इसे सूर्या की सबसे बड़ी परियोजनाओं में से एक माना जा रहा है। हिन्दी फिल्मों में सफलतम नायिका के तौर पर गिनी जा रही दिशा पटानी की यह दक्षिण की पहली फिल्म होने की भी उम्मीद है। कांगुवा के बारे में अब कहा जा रहा है कि इसमें हिन्दी फिल्मों के अग्रणी परिवार देओल परिवार के बॉबी देओल बतौर खलनायक नजर आएंगे। हाल ही में जारी कंगुवा की पहली झलक को देखकर ऐसा लगता है कि फिल्म में कुछ हाई-ऑक्टेन एक्शन सीक्रेंस होंगे। पूरी तरह से अलग समयावधि में स्थापित, सूर्या को पहले कभी नहीं देखे गए अवतार में देखा जाएगा

जिसने प्रशंसकों को उत्सुक कर दिया है। अब इन सबको जोड़ते हुए यह कहा जा रहा है कि फिल्म में मुख्य खलनायक के रूप में बॉबी देओल नजर आएंगे। हालांकि अभिनेता ने इस प्रोजेक्ट के बारे में चुप्पी साध रखी है और निर्माताओं ने भी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन डेक्कन क्रॉनिकल की एक रिपोर्ट के अनुसार अभिनेता ने वास्तव में फिल्म के लिए हामी भर दी है। इसके अलावा, यह भी कहा जा रहा है कि बॉबी जल्द ही फिल्म की शूटिंग के लिए बाकी टीम में शामिल होने के लिए बैंकॉक रवाना होंगे। दिलचस्प बात यह है कि यह दूसरी साउथ फिल्म है जिसे रेस 3 अभिनेता ने हाल के दिनों में साइन किया है। कुछ ही हफ्ते पहले, वह पवन कल्याण की फिल्म हरि हर वीरा मल्लू के लिए बोर्ड पर आए लेकिन फिल्म को रोक दिया गया है। कंगुवा की बात करें तो फिल्म का निर्देशन शिवा कर रहे हैं, जबकि फिल्म की बाकी स्टारकास्ट जल्द ही सामने आएगी। फिल्म में वेट्री पलानीसामी की सिनेमैटोग्राफी और 'रॉकस्टार' देवी श्री प्रसाद द्वारा संगीतबद्ध संगीत शामिल है। स्टूडियो ग्रीन ने 2024 की शुरुआत में दुनिया भर में दस भाषाओं में बड़े पैमाने पर फिल्म रिलीज करने के लिए शीर्ष वितरण घरों के साथ अनुबंध किया है।

एक हफ्ते के भीतर 'बवाल' ने सात मिलियन व्यूज किए पार

मुंबई/एजेन्सी

वरुण धवन और जान्हवी कपूर को फिल्म 'बवाल' के लिए काफी सराहना मिल रही है। एक मीडिया कंसल्टिंग फर्म के मुताबिक, रिलीज के पहले सप्ताह के भीतर ही, फिल्म ने सात मिलियन व्यूज पार कर लिए हैं और एक बड़ी हिट के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। फिल्म की शानदार कहानी एक रिश्ते के भीतर अनुभव की जाने वाली चुनौतियों को दर्शाती है, जो अजय (वरुण धवन) और निशा (जान्हवी कपूर) की कहानी को खूबसूरती से बुनती है। उनकी प्रेम कहानी ने दर्शकों के दिलों को छू लिया है।

कहानी, परफॉर्मेंस, प्रोडक्शन डिजाइन और निर्देशन ने प्रशंसा अर्जित की है। फिल्म अश्विनी अय्यर तिवारी और नितेश तिवारी की अर्थस्की पिक्चर्स के सहयोग से साजिद नाडियाडवाला की नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित है। फिल्म का निर्देशन बहुप्रशंसित नितेश तिवारी ने किया है, जो 'दंगल', 'चिल्लर पार्टी' और 'छिछोरे' जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। 'बवाल' वर्तमान में भारत और 200 देशों और क्षेत्रों में प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम है।

कोलकाता के प्रमोशन इवेंट में बांग्ला लाइनें भूल गईं आलिया भट्ट

मुंबई/एजेन्सी

आगामी फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में एक बंगाली लड़की का किरदार निभाने वाली आलिया भट्ट फिल्म को लेकर पूरी तरह तैयार हैं लेकिन कोलकाता में अपने प्रमोशन के दौरान अभिनेत्री अपनी याद की गई बांग्ला की लाइनें भूल गईं। मगर उन्होंने मंच पर इसे स्वीकार किया। आलिया ने इंस्टाग्राम पर कार्यक्रम के पर्दे के पीछे का वीडियो साझा किया, जिसमें वह कार्यक्रम से पहले ईमानदारी से अपनी बांग्ला पंक्तियों को याद करती नजर आ रही हैं। वह प्रशंसकों का अभिवादन करने के लिए मंच पर जाती हैं और कहती हैं, नोमोश्कार कोलकाता... तोमादेर शोबै के और फिर वह लाइन भूल

जाती हैं। आलिया आगे कहती हैं, मैं अपनी लाइनें भूल गई, मैंने रिहर्सल किया था। मुझे खेद है। मैं कल सुबह से ये पंक्तियां सीख रही हूं और यहां आके, आपका चेहरा देख के मैं भूल गई। लेकिन मैं चाहती थी कि बंगाली में आपका स्वागत करूं, इसलिए मैंने ऐसा किया। उन्हें चिढ़ाते हुए, सह अभिनेता रणवीर ने कहा, सो क्यूट यार, तू होमवर्क करके आई थी, परीक्षा के समय पर भूल गई। हालांकि, बाद में आलिया को बांग्ला में सभी पंक्तियां बोलते हुए देखा गया जब उन्होंने इवेंट में प्रशंसकों और मीडिया से बात की। 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' एक सिनेमाई असाधारण फिल्म होने का वादा करती है। फिल्म में धर्मेंद्र, जया बच्चन और शबाना आजमी भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। 'ऐ दिल है मुश्किल' के सात साल बाद फिल्म निर्देशन करण जौहर की वापसी हुई है। वायकॉम18 स्टूडियोज और धर्मा प्रोडक्शंस की फिल्म, 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' 28 जुलाई को बड़े पर्दे पर रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

ऋचा चड्ढा ने फिल्म 'आइना' की शूटिंग शुरू की

मुंबई/भाषा

अभिनेत्री ऋचा चड्ढा ने अपनी पहली अंतरराष्ट्रीय फिल्म 'आइना' की शूटिंग शुरू कर दी है। ऋचा इन दिनों लंदन में 'क्रॉनिकल्स ऑफ नार्निया' के अभिनेता विलियम मोसले के साथ इस फिल्म की शूटिंग कर रही हैं। यह फिल्म सत्य घटनाओं पर आधारित है और इसका निर्देशन नवोदित मार्कस मीडट कर रहे हैं। 'आइना' की कहानी लंदन और भारत से संबंधित है। फिल्म के कई हिस्सों की शूटिंग सितंबर में भारत के विभिन्न क्षेत्रों में होगी। ऋचा ने कहा कि 'आइना' की कहानी दिलचस्प है और वह इस फिल्म से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी शुरुआत करने को लेकर बेहद खुश हैं। ऋचा ने एक बयान में कहा, ''मैंने अंतरराष्ट्रीय

परियोजनाओं के लिए कुछ पटकथाएं पढ़ी थीं, लेकिन कोई भी अच्छी नहीं लग रही थी। जब आइना की कहानी मेरे पास आई, तो मुझे लगा कि यह वही फिल्म है जो मैं करना चाहती हूं और अब आखिरकार फिल्म की शूटिंग हो रही है, मैं बेहद रोमांचित हूं। फिल्म की कहानी बेहद दिलचस्प है।'' भारत में, ऋचा अपनी आगामी फिल्म 'फुकरे 3' में भोली पंजाबन के अपने चर्चित किरदार में एक बार फिर नजर आएंगी।

'ड्रीम गर्ल 2' से सामने आया आयुष्मान खुराना उर्फ़ पूजा का कातिलाना लुक

मुंबई/एजेन्सी

फाइनली पूजा हाजिर है! हम बात कर रहें है बहुप्रतीक्षित ब्लॉकबस्टर सीक्वल ड्रीमगर्ल 2 से आयुष्मान खुराना के किरदार पूजा की जिसने पिछले कुछ समय से लोगों का सुख, चैन सब छीन लिया था। यहां तक कि इंडस्ट्री के बड़े बड़े सुपरस्टार्स के बीच भी पूजा के दीदार करने की चाहत हिलोरे मार रही थी। पर अब सबकी चहीती पूजा के मुखड़े से पर्दा उठा दिया गया है। फिल्म के लीड एक्टर आयुष्मान ने खुद पूजा के रुप की एक झलक दुनिया के सामने पेश की है। इसी के साथ उन्होंने फैन्स को डबल ट्रीट भी दी जिसने उनके दिलों में फिल्म के बेकरारी और बढ़ा दी हैं। दरअसल एक्टर ने न सिर्फ फिल्म से अपने किरदार पूजा को सभी से रूबरू कराया बल्कि उन्होंने करम को भी सभी से इंट्रोड्यूस करा दिया है। फिल्म के इस माइंड ब्लोइंग पोस्टर पर आयुष्मान का पूजा में बदलना किसी जादू से कम नहीं है। इन विपरीत किरदारों के बीच उनके सहज परिवर्तन ने हमें हैरानी में डाल दिया है। अब हर कोई उनके डुअल डायनेमो प्रदर्शन के बारे में बात कर रहा है जो देश में धूम मचाने के लिए तैयार है। प्रतिभाशाली आयुष्मान को इतनी सुंदरता और भव्यता के साथ पूजा का किरदार निभाते देखना एक रोमांचकारी अनुभव है!

फिल्म का ये पोस्टर सभी की उम्मीदों पर खरा उतरा है। ऐसे में अब हर गुजरते दिन के साथ फिल्म को लेकर हर उम्र के दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ती जा रही है। सोशल मीडिया ड्रीम गर्ल 2 के बारे में चर्चाओं से भरा हुआ है जो प्यार, हंसी और नॉन-स्टॉप एंटरटेनमेंट का एक जबरदस्त मेल है। बता दें, बॉक्स ऑफिस पर ड्रीम गर्ल की जबरदस्त सफलता और इसके भरपूर मनोरंजन ने दर्शकों को खुश कर दिया था। आयुष्मान द्वारा एक लड़की की आवाज का निकालना एक प्रमुख आकर्षण था, जिसने सभी को प्रभावित किया। अब, सीक्वल में, 'पूजा' के रूप में आयुष्मान का परिवर्तन मनोरंजन को और भी अधिक ऊंचाइयों पर ले जाने का वादा करता है, जो सभी को दीवाना कर देता है। यह आकर्षक फिल्म पोस्टर तो सिर्फ एक झलक भर है, इंतजार का असली मजा तो ट्रेलर रिलीज के साथ शुरू होगा। राज शांडिल्य द्वारा निर्देशित यह फिल्म हंसाने का वादा करती है। एकता आर. कपूर और शोभा कपूर द्वारा निर्मित इस फिल्म की मजेदार राइड के लिए कैलेंडर में अपनी डेट्स मार्क कर लीजिए और तैयार रहिए पूजा से मिलने के लिए। ये बहुप्रतीक्षित सीक्वल 25 अगस्त, 2023 को बड़े पर्दे पर आने के लिए तैयार है।

कामर्शियल व फैमिली एंटरटेनर फिल्में चुनना चाहती हूं: सोनम

नई दिल्ली/एजेन्सी

एक्ट्रेस सोनम कपूर, जो 'रांझणा', 'नीरजा', 'प्रेम रतन धन पायो' जैसी फिल्मों का हिस्सा रही हैं, ने कहा है कि वह सिनेमाघरों में अपनी वापसी के लिए कमर्शियल, फैमिली एंटरटेनर फिल्में चुनना चाहती हैं। अपनी प्रेग्नेंसी के बाद, सोनम फिल्मों में वापस आ गई हैं और उन्हें आखिरी बार सुजॉय घोष की क्राइम थ्रिलर 'ब्लाइंड' में देखा गया था। शोम मखीजा द्वारा निर्देशित, सोनम ने फिल्म में 'जिया' नाम की मुख्य भूमिका निभाई, जो 2011 में इसी नाम की कोरियाई फिल्म की रीमेक थी। फिल्म एक अंधे पुलिस अधिकारी के इर्द-गिर्द केंद्रित है, जो एक सीरियल किलर की तलाश में है। यह 7 जुलाई को रिलीज हुई थी। यह सोनम की 2019 की रिलीज 'द जोया फैक्टर' और उसी साल रिलीज़ हुई 'एक लड़की को देखा तो ऐसा लगा' के बाद सिल्वर स्क्रीन पर वापसी थी। एक्ट्रेस ने कहा कि उन्हें हमेशा उन प्रोजेक्टस का हिस्सा बनना पसंद है, जिन्होंने दर्शकों का मनोरंजन किया हो।

सोनम ने कहा, गर्भावस्था के बाद जब मैं सिनेमाघरों में लौटूंगी, तो मैं बस यही करने का प्रयास करूंगी क्योंकि मुझे यह देखकर खुशी होती है कि लोग सिनेमा और दुनिया का आनंद लेने के लिए वर्तमान में अपने गमों को भूल जाते हैं। सोनम ने यह भी दोहराया कि वह हर साल सिर्फ दो प्रोजेक्ट करना चाहती हैं। मैं यहां से साल दर साल दो प्रोजेक्टस करने की सोच रही हूं और मैं ऐसी स्क्रिप्ट की तलाश में हूं जो बेहद मनोरंजक और आकर्षक हों। सोनम ने कहा कि वह ऐसी फिल्मों के साथ दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए एक्ट्रेस बनीं, जिन्हें एक परिवार और एक समुदाय के रूप में सभी दर्शक वर्ग देखें और आनंद ले सकें। एक्ट्रेस ने कहा, मुझे याद है कि मैं एक्ट्रेस क्यों बनना चाहती थी। चूंकि मैं बच्ची थी, मुझे ऐसी फिल्में पसंद थीं जिन्हें मैं अपने पूरे परिवार के साथ देख सकती थी। यह एक ऐसा अनुभव था जिसका मुझे इंतज़ार था। अपने परिवार के साथ ऐसी फ़िल्में देखते समय मैं कई तरह की भावनाओं से गुज़री। वे पल आज भी मेरे जीवन की सबसे खूबसूरत यादों में से एक हैं। यह उस तरह का सिनेमा है जिसका मैं हिस्सा बनना चाहती हूं। सोनम ने निष्कर्ष निकाला, तो, मेरे लिए, कमर्शियल फिल्में, फैमिली एंटरटेनमेंट वाली फिल्में हमेशा मेरी पसंदीदा रही हैं। जैसे ही मैं सिनेमाघरों में लौटूंगी, मैं ऐसी और फिल्में करना चाहती हूं। सोनम के पास पहले से ही दो प्रोजेक्टस हैं जो 2024 में शुरू होने वाले हैं। सोनम ने 8 मई 2018 को बिजनेसमैन आनंद आहूजा से शादी की थी। कपल ने 20 अगस्त, 2022 को अपने पहले बच्चे, बेबी बॉय वायु कपूर आहूजा का स्वागत किया।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

शरीर को सुख देने से आत्मा का उत्थान नहीं हो सकता है। मनुष्य का हर कदम मौत की तरफ जा रहा है फिर वो शरीर का सुख चाहता है। मनुष्य जन्म लेते ही अपनी मौत का टिकट साथ लेकर आता है। लेकिन मनुष्य मौत का विचार करें या न करें, वह आये बिना न रहेगी। मरण निश्चित है और बातें भले ही अनिश्चित हों। सूर्य अस्ताचल की ओर गया कि हमारी आयु का एक अंश खा जाता है। जीवन छीज रहा है,एक-एक बूँद घटता जा रहा है। जीवन, मृत्यु फिर जीवन, यह क्रम चला जा रहा है। मनुष्य यह मत समझ ले कि मरने के बाद उसे छुट्टी मिल जायगी।

खुद को बदलकर, हर बदलाव की शुरुआत करो : आचार्य देवेंद्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री सुमतिवल्लभ नॉर्थटाउन मूर्तिपूजक जैन संघ के संघ भवन में आचार्यश्री देवेंद्रसागरसूरीजी ने प्रवचन देते हुए कहा कि जीवन हमेशा एक-सा नहीं रहता। परिवर्तन को स्वीकार कर ही हम अपनी हताशा-निराशा से उबर सकते हैं और समय के साथ चलकर अपने जीवन को सुखमय बना सकते हैं। परिवर्तन को स्वीकारना ही हमें गतिशील बना सकता है। हम समय की ऐसी रेलगाड़ी के साथ-साथ चल रहे हैं, जिसमें रुकने का मतलब पिछड़ जाना होता है। जीवन के सफर का वास्तविक आनंद हम तभी उठा सकते हैं, जब हम समय के साथ चलें, उन्होंने यह भी कहा कि बदलाव की शुरुआत हमें खुद से करनी चाहिए, अगर हम खुद में बदलाव ला सकते है तभी हम इस दुनिया को बदल सकते है।

उन्होंने कहा कि एक कहावत के अनुसार हर बदलाव की शुरुआत कर, तू खुद को बदलकर, जमाने को बदलना चाहता है, तो खुद से पहल कर्। कोई इंसान परफेक्ट नहीं होता है, उसके अंदर कुछ खामियां अवश्य होती है। उसे अपनी कमियों को पहचानना, उसे स्वीकार करना और उन कमियों को दूर करना बहुत ही कठिन कार्य है। कमियां हमारे ही अंदर निहित होती हैं, पर ये कमियां हमें नजर नहीं आती और हम इसका दोष दूसरों पर देते हैं।

दूसरों को कहने से अच्छा है हम अपनी कमियों को सही से पहचाने और उसमें बदलाव लाने की कोशिश करें। जीवन की परिस्थितियां एक सी नहीं होती है, वो समय के अनुसार बदलती रहती है। परिस्थितियों में यह बदलाव स्वाभाविक है। कभी-कभी ये परिस्थितियां हमें बदलने के लिए मजबूर करती हैं और कभी हम परिस्थिति के अनुसार स्वयं को बदलते हैं। इसके लिए हम जीवन में कड़ी मेहनत करते हैं और हमें अंतर्मन से खुद को बदलना पड़ता हैं। यहां बदलाव का तात्पर्य खुद में बदलाव लाने से है। हमें खुद में बदलाव लाने के लिए अपनी कमियों को पहचानना होगा और हमें खुद पर पूरा भरोसा करना होगा। जब हम अपनी कमियों को पहचान कर अपने पर भरोसा करके काम करते है, तो हम अपने अंदर के भय और चिंता से मुक्त हो जाते हैं।

महात्मा ईसरदास महाराज की जयंती धूमधाम से मनाई गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्री तमिलनाडु चारण समाज चेन्नई के तत्वावधान में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी बडे़ हर्षोल्लास के साथ चारण महात्मा ईसरदासजी महाराज की जयंती चारण समाज कार्यालय में मनाई गयी। अतिथियों ने महात्मा ईसरदासजी की तस्वीर माला चढाकर कर दीप प्रज्वलित करके उनका 565वां जन्म महोत्सव का शुभारंभ किया।। इस उपलक्ष में महात्मा ईसरदास रचित हरीरस एवं देवियांण का पाठ किया गया।

लहशपइस मौके पर उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि लोक कल्याण का भाव जगाने के लिए संत शिरोमणी चारण महात्मा श्री ईसरदासजी महाराज की शिक्षाओं को जीवन में आत्मसात् करना जरूरी है। महात्मा द्वारा अनेकों ग्रंथ हरिरस, देवियाँण, गरुड़ पुराण एवं छन्द कविताएँ लिखी गयी हैं। महात्मा का जन्म राजस्थान के बाडमेर जिले भादरेश गाँव में हुआ था। लेकिन उनकी कर्म भूमि गुजरात रही एवम् इस दौरान दोनों जगह श्री ईसरदासजी महाराज के मन्दिर एवं अनुयायी हैं। गुजरात के बहुत बडे़ कवि के रूप में जाने जाते थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में इंडियन बैंक के प्रबंधक विजयपालसिंह चारण, विशिष्ट अतिथि के रूप में कस्टम अधिकारी अरविंदकुमार चारण, तमिलनाडु चारण समाज कोषाध्यक्ष रामसिंह नागसी, सचिव हिंगलाजदानचारण आकली, करणसिंह, मदनदान, नींबदान सुरताणिया, सुरेन्द्र सिंह सिंणधरी, लक्ष्मणसिंह कडवा, रमेशसिंह,ग ोपाल, निकिल, महिपालसिंह आदि मौजूद रहे। मंच संचालन हिंगलाजदान चारण ने किया।

मनुष्य के व्यक्तित्व का आईना है वाणी : साध्वी धर्मप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। वाणी में विवेक लुप्त होता है और जीवन अर्थ बन सकता है। सोमवार एस.एस. जैन भवन साहूकार पेट में महासाध्वी धर्मप्रभा ने श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि वाणी मनुष्य के व्यक्तित्व का आईना है। जो बोलचाल बुद्धि,विवेक और मन की दशा को दर्शाती है। शब्द बुद्धि, विवेक, मन और आत्मिक संग्रहित पूंजी से निकलते हैं। मन-बुद्धि,विवेक की आंतरिक अवस्था जैसी होती है,हम वैसे ही शब्द बोलने लगने लग जाता है। मानव के मन में यानि भीतरी खोह में जब गुस्सा होता है, तो गुस्से वाले शब्द और जब प्यार होता है,तो प्यार वाले शब्द अपने आप निकलते हैं। दोष शब्दों में नहीं होता मनुष्य कि सोच में होता है।

बिखरे हुए मन से बिखरे हुए शब्द निकलते हैं और सधे हुए मन से सधे,सटीक और सार्थक शब्द ही निकलते हैं। सारा खेल शब्दों यानि वाणी का ही है। शब्दों से ही हम किसी को अपना बना लेते हैं और शब्द ही हैं जो अपने को भी दुश्मन बना जाते हैं। वर्षों के संजोये रिश्ते और सम्बन्ध एक मनुष्य के कड़वाहट भरे शब्द से वर्षो के रिश्ते पलभर मे टूट जाते हैं। धन मनुष्य को बावला और वाणी को तरकस बना देता है अगर मनुष्य की वाक्चातुर्यता संयमित और संचित होगी तो यश ख्याति प्राप्त कर लेगा। वरना जीवन में अर्थ होने नहीं रोक पाएगा।

जीवन के विकास के लिए प्रार्थना, प्रेम और वात्सल्य जरुरी : मुनि मुक्तिप्रभसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। कोयम्बटूर जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ के आराधना भवन में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री मुक्तिप्रभसागरजी, गणिवर्यश्री मनीषप्रभसागरजी व मतिषप्रभ सागरजी में से मुनिश्री मुक्तिप्रभसागरजी ने गीत के माध्यम से 24 तीर्थंकरों एवम चारों दादा गुरुदेव के गुणों को संगीत के साथ प्रस्तुत किया। गणिवर्य मनीषप्रभसागर जी ने कहा कि जीवन में तीन शब्दों का महत्व होता है प्रार्थना, प्रेम वात्सल्य। इन तीन शब्दों से ही व्यक्ति के जीवन का विकास होता है इन तीन शब्दों का जीवन में संपूर्ण पालन कर ले तो जीवन में कभी अशांति नहीं हो ।प्रार्थना अपनों से बड़ों के प्रति, प्रेम बराबरी के प्रति और वासल्य अपनों से छोटों के प्रति भक्त व भगवान का रिश्ता प्रार्थना का होता है। मित्र व पति पत्नी का रिश्ता प्रेम का होता है। मां बेटे का रिश्ता वासल्य होता है। जीवन में प्रार्थना भी जरूरी ह,ै प्रेम भी जरूरी है और वासल्य भी जरूरी होता है, क्योंकि मनुष्य की जिंदगी जन्म से मृत्यु तक इन तीन अवस्था में जुड़ती है। बड़ों से बराबरी से और छोटों से यदि हम अपने घर में बड़ों की प्रति प्रार्थना का भाव, बराबरी वालों के साथ प्रेम के भाव और छोटों के प्रति वासल्य के भाव रखें तो नरक हो रहा परिवार स्वर्ग हो जाएगा। यदि ये तीन सूत्र जीवन में अपना लिए जाए तो व्यक्ति शांतिभरा जीवन जी सकता है।भगवान की प्रार्थना करना आसान है भक्त पड़ने पर भगवान की प्रार्थना कर लेता है पर अपनों से घर में बड़े बुजुर्गों से प्रार्थना करना कठिन मानता है । सभी को प्रार्थना प्रेम वासल्य को अपनाना चाहिए, तो कभी जीवन में कोई प्रकार की समस्या नहीं होगी।

चिंता के बजाय चिंतन व आत्मचिंतन कीजिए : साध्वी चैतन्याश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पुरुषवाक्कम स्थित एएमकेएम सेन्टर में विराजित साध्वीश्री चैतन्याश्रीजी म.सा. ने अपने प्रवचन में बताया कि काल का चौघड़िया मनुष्य को शुभ कार्य करने से रोकता है, मनुष्य को चिंता ग्रस्त कर देता है । चिंता एक मधुमक्खी के जैसी हैं जो एक के बाद एक आती हैं। चिंता घुट घुट कर मार देती हैं चिंता स्वास्थ्य को नष्ट करती हैं। आज के मानव को इच्छा पूरी हुई तो चिंता, नहीं पूरी हुई तो भी चिंता। फिजूल चिंता, चिंता करने से स्त्री का रूप कम होता है पुरुष का बल कम होता है और साधु चिंता करे तो ज्ञान नष्ट होता है इसीलिए सकारात्मक चिंता करनी चाहिए। जो हुआ अच्छा हुआ जो होगा वह भी अच्छा ही होगा, अगर ऐसा सोचेंगे तो आपके जीवन में कभी चिंता करने का मौका ही नहीं आएगा। चिंता के बजाय चिंतन व आत्मचिंतन कीजिए। किसी को गुस्सा आता है उसको चिंतन करना चाहिए कि मुझे गुस्सा क्यों आया क्या यह गुस्सा मुझे करना चाहिए था अगर ऐसा चिंतन करोगे तो आपका गुस्सा एक दिन पूर्ण रूप से समभाव में परिवर्तित हो जाएगा। व्यक्ति का व्यवहार ऊंचा होना चाहिए विवेकपूर्वक होना चाहिए। किसी से बात करते समय शब्दों को तोलकर बोलना चाहिए। बड़ों से नम्रता तथा छोटे से प्यार भरे शब्दों से बोलना चाहिए । छोटी सी जिंदगी है इस छोटी सी जिंदगी में शिकायतें बहुत हैं। शिकायतों को कम करना है, यश और कीर्ति कमानी है । मौत का पैगाम कभी भी आ सकता है। प्रत्येक जीव के पीछे मौत पीछा कर रही है अगर आपके पास पुण्य का खजाना है तो उसे डर नहीं। लेकिन आगे उसके लिए सुख का खजाना तैयार हैं वह अच्छी गति में जाएगा। परंतु जो मौत से डरता है उसे डर इस बात का है कि मैं यहां मर कर कहीं नरक या तिर्यंच में तो नहीं चला जाऊंगा, बस इसी डर से आर्तध्यान ध्यान, रौद्रध्यान करता है और एक दिन दुख भोगने के लिए परलोक में चला जाता है। यह जानकारी पुरुषवाक्कम संघ के अध्यक्ष विनयचन्द पावेचा ने दी।

जरूरतमंद बच्चों को स्कूल यूनिफार्म का वितरण किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय राजस्थान कॉस्मो क्लब फाउंडेशन(आरसीसीएफ) के तत्वावधान में टी नगर स्थित वाणी महल में हुए एक समारोह में जैन मेटल ग्रुप न्यू स्कूल यूनिफार्म स्कीम के तहत 30 स्कूलों के 3000 जरूरतमंद बच्चों को स्कूल यूनिफार्म का वितरण किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि तमिलनाडु सरकार के प्रिंसिपल सचिव धर्मेंद्र प्रताप यादव एवं विशिष्ट अतिथि जीतो जेटीएफ एपेक्स के उपाध्यक्ष डीके जैन, पेसमैन फाइनेंस के एमडी दीपचंद लूणिया, जैन मेटल ग्रुप के एमडी कमलेश जैन और एमएचजे ग्रुप के एमडी संघवी अमित जैन थे।

ईश प्रार्थना एवं दीप प्रज्वलन के साथ समारोह की शुरुआत हुई। आरसीसी के अध्यक्ष प्रवीणचंद नाहर ने स्वागत भाषण दिया। इस मौके पर मुख्य अतिथि ने कहा शिक्षा जीवन का सबसे महत्वपूर्ण अंग है। त्याग और समर्पण की भावना से मैंने जीवन में बहुत से क्षेत्रों में काम किया। संस्था द्वारा चलाए जा रहे 'स्माइल स्टोर' ग्राहक के लिए सुखद अनुभव है। विशिष्ट अतिथि डीके जैन ने कहा संस्था के सदस्य समाज के लिए अहम् कार्य कर रहे हैं। दीपचंद लुनिया ने कहा इतने सारे बच्चों को एकसाथ देखकर मेरा मन प्रफुल्लित है। कमलेश जैन ने कहा बच्चों के चेहरों पर खुशी देखना सफलता का परिचायक है। इस अवसर पर बच्चों के लिए कई मनोरंजक कार्यक्रम एवं भोजन व्यवस्था आयोजित की गई। फाउंडेशन के प्रबंधन सचिव राहुल बोहरा ने प्रोजेक्ट को सफल बनाने वालों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कपड़ों के वितरण के साथ बच्चों का मनोरंजन करना बच्चों को प्रेरित करता है। इस मौके पर फाउंडेशन के कोषाध्यक्ष विजय सुराणा, एनएसयू के चेयरमैन पवन कुमार सुराणा, श्रीपाल कोठारी, अजीत भंडारी, मितेश तालेड़ा, दिलीप खींवसरा, वरुण रामसिसारिया सहित आरसीसी के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

नामकरण संस्कार कार्यक्रम में बच्चों ने दी मनमोहक प्रस्तुति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तेरापंथ धर्मसंघ की साध्वीश्री लावण्यश्रीजी की प्रेरणा से तथा साध्वीश्री सिद्धांतश्रीजी व दर्शितप्रभाजी के निर्देशन में ज्ञानशाला के विद्यार्थियों द्वारा चौबीस तीर्थंकरों का उनके लांछन के आधार पर 'नामकरण संस्कार' विषयक कार्यक्रम की मनमोहक प्रस्तुति पेश की गई। जैन श्वेतांबर तेरापंथ सभा, चेन्नई द्वारा संचालित ज्ञानशाला के इस कार्यक्रम के आयोजन में प्रशिक्षकों ने विशेष भूमिका अदा की।

सभा की तरफ से साध्वी वृन्द के प्रति कृतज्ञता एवं प्रशिक्षिक-प्रशिक्षिकाओं, ज्ञानशाला परिवार के प्रति आभार ज्ञापित किया गया।

शरीर को सुख देने से आत्मा का उत्थान नहीं हो सकता : साध्वी धर्मप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शुक्रवार को साहुकारपेट के एसएस जैन भवन में साध्वीश्री धर्मप्रभाजी ने अपने प्रचवन में कहा कि शरीर को सुख देने से आत्मा का उत्थान नहीं हो सकता है। मनुष्य का हर कदम मौत की तरफ जा रहा है फिर वो शरीर का सुख चाहता है । मनुष्य जन्म लेते ही अपनी मौत का टिकट साथ लेकर आता है। लेकिन मनुष्य मौत का विचार करें या न करें, वह आये बिना न रहेगी। मरण निश्चित है और बातें भले ही अनिश्चित हों। सूर्य अस्ताचल की ओर गया कि हमारी आयु का एक अंश खा जाता है। जीवन छीज रहा है,एक-एक बूँद घटता जा रहा है। जीवन, मृत्यु फिर जीवन, यह क्रम चला जा रहा है। मनुष्य यह मत समझ ले कि मरने के बाद उसे छुट्टी मिल जायगी। इस जीवन की गंगा तो प्रभु से निकल कर प्रभु में ही मिलना है। सुख-दुख, पाप-पुण्य, दिन-रात, आशा-निराशा की जैसी जोड़ी है वैसी ही जन्म-मृत्यु की,न कि जीवन मृत्यु की। जो जन्मता है वह मरता है,जो मरता है वह जन्मता है। लेकिन इस आत्मा के कल्याण का केवल एक ही उपाय है और वो भगवान को जान लेना वह तभी संभव हो सकता है।

साध्वी स्नेहप्रभाजी ने कहा कि मनुष्य एक क्रियाशील प्राणी है जो चौबीस घंटें किस ना किसी क्रियाओं में संलग्न रहता है। जो क्रिया मनुष्य जीवन मे करता वो शुभ भी होती है और अशुभ भी उन्ही क्रियाओं के द्वारा मानव पुण्य और पाप के कर्म बंधन करता है । इंसान फल पुण्यवानी बांधना चाहता है, परन्तु क्रियाएं विपरीत करता है । जब तक मनुष्य के मन में राग द्वेष आश्क्ति रहेगी तब कर्मों कि निर्जरा नही हो सकती है परमात्मा कि भक्ति से आत्मा तिर सकती है शरीर को सुख देने से आत्मा का विकास रूक जायेगा,और संसार मे आत्मा भटकती रहेंगी। इस दौरान साहुकारपेट के अध्यक्ष अजितराज कोठारी, कार्याध्यक्ष महावीरचन्द सिसोदिया, सज्जनराज सुराणा, सुरेश डूंगरवाल, महावीर कोठारी, बादलचन्द कोठारी, मोतीलाल ओस्तवाल, अशोक सिसोदिया, शम्भूसिंह कावड़िया, कमल खाबिया, जितेन्द्र भंडारी आदि पदाधिकारियों और सैकड़ों श्रद्धालुओं की धर्मसभा में उपस्थिति रही।

पाप करना ही पाप नहीं हैं, पाप की चीजों को देखना भी पाप है : आचार्यश्री उदयप्रभसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

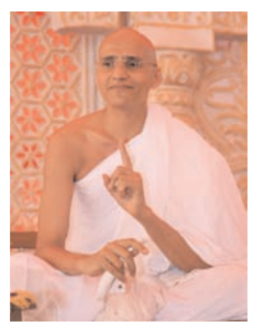

चेन्नई। यहां के किलपॉक श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन संघ में योगनिष्ठ आचार्य केशरसूरी समुदाय के वर्तमान गच्छाधिपति आचार्यश्री उदयप्रभ सूरीश्वरजी ने कषायों से होने वाले नुकसानों को बताते हुए कहा कि कषाय करने वाले को हितशिक्षा पसंद नहीं आती। अपने रहस्य की बातें तीन लोगों को ही बतानी चाहिए गुरु, माता और पिता को। ज्ञानियों ने कहा विशिष्ट कारण पर झूठ भी बोला जा सकता है या गीतार्थ उचित अवसर पर सत्य को चुप रखना भी आना चाहिए्।। उन्होंने कहा जो व्यक्ति कषायों में रहता है, उसकी मित्र मंडली नहीं बनती है। कोई लोग उसके पास बैठना भी पसंद नहीं करेगा। अच्छा काम न करो, यह कमजोरी हो सकती है, पर संगत तो अच्छी होनी चाहिए्। पाप करना ही पाप नहीं है, पाप की चीजों को देखना भी पाप है। उन्होंने कहा श्रावक-श्राविका का धर्म है सुपात्रदान देकर ही भोजन करना चाहिए्। यदि गुरु आपके घर पर नहीं आए तो भावना तो रखो। साधु के लिए श्रावक- श्राविका माता- पिता, मित्र और शौक पत्नी के तुल्य हैं्। साधु भगवंत आपके घर पुण्य का लाभ देने नहीं आते हैं, आपके धर्म के संस्कारों को जीवंत रखने के लिए आते हैं्। ज्ञानी भगवंतों ने आपकी चिंता साधु भगवंत से कराई है। व्यवहार में आपको इनाम मिलता है, यह अच्छी बात है लेकिन जिनशासन में कल्पना करने पर इनाम मिलता है।

आचार्यश्री ने कहा कि प्राप्ति का पुण्य 17 होता है, प्रतीक्षा का पुण्य 99% होता है। परमात्मा की आज्ञा का पालन करो, पुण्य मिले या ना मिले, यह मत सोचो। कषाय करते वक्त यदि आयुष्यबंध होगा तो दुर्गति निश्चित है। कषाय करने वाला व्यक्ति जहां भी जाएगा, हर समय वह असंतुष्टि के भाव में रहेगा। लोभ कषाय न करने वाला पाप की कमाई को पुण्य में तब्दील कर सकता है्। कषायों को आग की उपमा दी गई है। इसे नियंत्रण नहीं किया तो हर भव में बढ़ता जाएगा। यदि कोई व्यक्ति अपना पाप याद दिलाए तो हमें बुरा लगता है। लेकिन उसको उपकारी मानना चाहिए्। कोई भी कषाय करने वाला व्यक्ति जीवन के वर्तमान को नहीं देख पाता।

आचार्यश्री ने कहा तपस्या से नम्रता का गुण आता है। विनय- विवेक के गुण भी बाह्य तप से खुल जाते हैं्। गुणों को पचाना आसान है, दुर्गुणों को पचाना कठिन है। लेकिन अंदर के कषायों को तोड़ने से ही अपना कल्याण होगा। हमारा मन व इंद्रियां बालक जैसे है, शुभ कार्य थोड़ी देर करते है लेकिन फिर वापस कषायों में चले जाते है। आत्म तत्व परमात्म तत्व से मिल जाए, इसलिए तप करते हैं्। शरीर के मोह को छुड़ाने के लिए तप किया जाता है। उन्होंने कहा एक वस्तु में रहे हुए अनेक दृष्टि, स्वरूप को दिखाना स्यादवाद है। गुरु कहते हैं हम साधर्मिक हो गए, क्योंकि हमारा आचार विचार एक है, यह स्यादवाद दृष्टिकोण है। रजोहरण जड़ है लेकिन पूजनीय है, यह परमात्मा का स्यादवाद है। कायोत्सर्ग की साधना ध्यान साधना से बढ़कर है। कायोत्सर्ग करने वालों को प्रतिमाधारी कहा जाता है। कायोत्सर्ग दिव्य शक्ति का आवाह्न करता है। कायोत्सर्ग केवल मानव कर सकता है, देवलोक के देव नहीं्। अनुमोदना करना गुणग्राही है, दोषग्राही नहीं्। अनुमोदना कभी भी सत्कारियों की होती है। परमात्मा को चढ़ाने वाले द्रव्य की अनुमोदना करें तो वह आराधना है, विराधना नहीं।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.